

सिजोफ्रेनिया से पीड़ित था बेटा, रस्सी से गला घोटकर उतारा मौत के घाट

कालिंदी कुंज में बीमार बेटे की हत्या में पिता समेत दो अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

दक्षिण पूर्वी जिले के कालिंदी कुंज इलाके में अपने बीमार 38 वर्षीय बेटे की हत्या करने के आरोप में एक बुजुर्ग पिता समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के नाम तालुकदार अंसारी (64) और मोहम्मद वसीम उर्फ अकरम (49) बताये गये हैं। अंसारी का बेटा गुल हसन सिजोफ्रेनिया नामक बीमारी से ग्रस्त था। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी गुल हसन को डॉक्टर के पास ले जाने के बहाने एक सुनसान कंटेनर में ले गये और



उसकी रस्सी से गला घोटकर हत्या कर दी। इससे पहले उसके सिर पर पत्थर से वार किया गया था। दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे से लगभग 500 मीटर दूर एक पुराने कंटेनर के अंदर से गुल हसन का

शव 23 अगस्त को शाम करीब 7:15 बजे बरामद किया गया था। पुलिस ने बताया कि पीड़ित के सिर पर चोट का निशान था और पास ही खून के धब्बों वाला पत्थर का एक टुकड़ा पड़ा था। शुरुआती

क्या है सिजोफ्रेनिया?

सिजोफ्रेनिया एक गंभीर और दीर्घकालिक मानसिक विकार है, जो व्यक्ति के सोचने, महसूस करने और व्यवहार करने के तरीके को बुरी तरह प्रभावित करता है। इस स्थिति में पीड़ित व्यक्ति वास्तविकता और कल्पना के बीच का अंतर नहीं समझ पाता। सिजोफ्रेनिया का कोई स्पष्ट इलाज नहीं है, लेकिन सही समय पर दौ गई दवाइयों, साइकोथेरेपी और परिवार के सहयोग से इसे नियंत्रित किया जा सकता है।

जांच में सिर के बाईं ओर कनपटी के पास चोट का पता चला, जो

जाहिर तौर पर पत्थर से लगी थी। इसके बाद हत्या का मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया और पीड़ित की गतिविधियों का पता लगाया। फुटेज में हसन

को दो लोगों के साथ अपराध वाली जगह की ओर जाते हुए देखा गया था, लेकिन हसन वापस नहीं लौटा। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि अंसारी का बेटा हसन सिजोफ्रेनिया से पीड़ित था। वसीम ने गुल हसन के सिर पर पत्थर से वार किया था।

कर्ज उतारने के लिये बेटे ने ही लूटे थे 44 लाख

हरिभूमि न्यूज नई दिल्ली।

■ बेटे समेत दो दबोचे

पूर्वी दिल्ली के एमएस पार्क इलाके में 44 लाख रुपये की लूट के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक शिकायतकर्ता का बेटा बताया गया है। 26 वर्षीय प्रभय तिवारी ने कर्ज उतारने के लिये पिता के पैसे लूटे थे। पकड़े गये दूसरे आरोपी का नाम 21 वर्षीय सरब तिवारी उर्फ प्रफुल निवासी सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश बताया गया है।

पुलिस के अनुसार शास्त्री नगर निवासी जितेंद्र कुमार ने शिकायत दी थी कि वह अवधेश तिवारी से 44 लाख रुपये लेकर राज कुमार नाम के व्यक्ति तक पहुंचाने जा रहा था। रास्ते में एक व्यक्ति ने उसकी बाइक रोक ली। इसी दौरान एक अन्य व्यक्ति वहां पहुंचा और दोनों ने

मिलकर जितेंद्र के पास मौजूद बैग लूट लिया। वारदात के बाद दोनों मौके से फरार हो गए। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच आगे बढ़ने पर पुलिस को पता चला कि यह लूट अचानक नहीं हुई थी, बल्कि इसके पीछे पहले से साजिश रची गई थी। अवधेश तिवारी के बेटे प्रभय तिवारी पर कर्ज था। उसी ने कर्ज चुकाने के लिए लूट की पटकथा लिखी थी। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस साजिश में इनके अलावा कोई अन्य व्यक्ति शामिल था या नहीं। लूटी गई 44 लाख रुपये की रकम की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

करंट लगाने से युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज नई दिल्ली।

जनसुरक्षा दिल्ली सरकार और पीडब्ल्यूडी की सर्वोच्च प्राथमिकता है: पीडब्ल्यूडी

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

■ विद्युत खराबी या करंट लीकेज' की पुष्टि नहीं हुई है

दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने मृतक के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है। विभाग प्रशासन का कहना है कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को गंभीरता से ले रहा है और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिक्रिया है कि इस मामले से जुड़े सभी तथ्यों का उचित तरीके से पता लगाया जाए। पीडब्ल्यूडी का कहना है कि जनसुरक्षा दिल्ली सरकार और पीडब्ल्यूडी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। घटनास्थल का विस्तृत तकनीकी निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही विद्युत दांचे और संबंधित रखरखाव रिकॉर्ड की भी जांच की गई। अब तक उपलब्ध तकनीकी निष्कर्षों के आधार पर घटनास्थल पर पीडब्ल्यूडी के स्ट्रीट लाइट पोल में किसी विद्युत खराबी या करंट लीकेज की पुष्टि नहीं हुई है। पोल और उसके विद्युत उपकरणों में आवश्यक सुरक्षा उपयय भी पाए गए हैं। पीडब्ल्यूडी संबंधित अधिकारियों को हर आवश्यक सहयोग और तकनीकी जानकारी उपलब्ध करा रहा है। साथ ही, विभाग सार्वजनिक सुरक्षा के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करने के लिए विद्युत बुनियादी ढांचे के निरीक्षण और रखरखाव को और मजबूत करने की प्रतिज्ञा जारी रखेगा। वहीं, विभाग का कहना है कि दिल्ली सरकार में निर्देश दिया है कि घटना से जुड़े सभी पहलुओं की गहन जांच की जाए और जहां भी किसी प्रकार की लापरवाही, चूक या निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन की पुष्टि होती है, वहां जिम्मेदारी तय की जाए। लापरवाही या कर्तव्य में किसी प्रकार की चूक के लिए जिम्मेदार पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति या एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

का मामला दर्ज किया है। जांच की जा रही है कि किस एजेंसी की

लापरवाही से बिजली के खंभे में करंट दौड़ रहा था।

ट्रक की चपेट में आकर महिला की मौत



हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

दक्षिण पूर्वी जिले के कालकाजी थाना क्षेत्र स्थित आउटर रिंग रोड पर शनिवार को एक ट्रक की चपेट में आकर महिला की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक मौके पर ट्रक छोड़कर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। उधर मृतका के शव को मोर्चरी भिजवाया उसकी शिनाख्त का प्रयास किया

जा रहा है। पुलिस के अनुसार हादसे के बाद मौके पर फ़ाइम व फ़ोरेंसिक टीम को भी जांच के लिये बुलाया गया था। टीमों ने मौके से साक्ष्य जुटाए। लोकल पुलिस ट्रक के रजिस्ट्रेशन के आधार पर उसके मालिक व ड्राइवर का पता लगाने की कोशिश कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक माईला कालकाजी मंदिर से दर्शन करने के बाद भैरव मंदिर होते हुए नेहरू प्लेस बस स्टाप की तरफ पैदल जा रही थीं। भैरव मंदिर के आगे ही तीन पेट्रोल पंप व सीएनसी स्टेशन हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रक सीएनसी लेने के लिए अचानक पेट्रोल पंप की तरफ मुड़ा, जिसकी चपेट में महिला आ गई। मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

सीएनजी दाम बढ़ने के बाद ऑटो टैक्सी संगठनों ने की किराया बढ़ाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

दिल्ली में सीएनजी की कीमतें बढ़ने के बाद परिवहन संगठनों ने शनिवार को ऑटो-रिक्शा के किराये में तत्काल बढ़ोतरी की मांग की और चेतावनी दी कि अगर उनकी मांग पूरी नहीं हुई, तो वे नी सितंबर को हड़ताल पर चले जाएंगे। सीएनजी की कीमत 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ गई है। ऑटो रिक्शा एसोसिएशन और दिल्ली प्रदेश टैक्सी यूनियन के महासचिव राजेंद्र सोनी ने कहा कि दिल्ली सरकार को एक हफ्ते के अंदर तत्काल प्रभाव से ऑटो और टैक्सी का किराया बढ़ाना चाहिए। क्योंकि शनिवार को एक बार फिर सीएनजी की कीमतों में 3.89 रुपये की बढ़ोतरी कर दी गई है। इस साल में यह चौथी बार सीएनजी के दामों में बढ़ोतरी की गई है, कुल मिलाकर लगभग 11 रुपये की बढ़ोतरी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि दाम बढ़ने से ऑटो टैक्सी चालकों के सामने रोजी रोटी की विकट समस्या खड़ी हो जाएगी। ऐसे में सरकार को चाहिए कि किराया बढ़ाए या फिर सीएनजी की कीमतों पर सब्सिडी देनी चाहिए। वहीं ऑल दिल्ली ऑटो टैक्सी ट्रांसपोर्ट कांग्रेस यूनियन व ऑटो टैक्सी ट्रांसपोर्ट कांग्रेस प्रकोष्ठ के अध्यक्ष किशन वर्मा ने कहा कि हमने पहले ही अपनी मांगों के लिए 7-8 सितंबर को

दो दिवसीय हड़ताल का आह्वान कर रखा है। ऐसे में शनिवार को सीएनजी के दाम बढ़ने के बाद हमारी हड़ताल और व्यापक रूप से होगी। क्योंकि सरकार ने एक बार फिर सीएनजी के दाम में एक सात चार रुपए से कुछ कम की बढ़ोतरी कर कुचाराघात किया है। पहले ही विभिन्न तरीके से मार झेल रहे चालकों की रही सही कम्मर अब सीएनजी की कीमतों ने तोड़ दी है। वर्मा ने कहा कि ऐसे में हम सरकार से मांग करते हैं कि इस वर्ष बढ़ाई गई कीमतों को तुरंत वापस लिया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार यह न समझे कि चालक चुप रहेंगे, हम अपने हक के लिए सड़कों पर उतरने को तैयार हो चुके हैं। इसके अलावा ऑल इंडिया मोटर एंड गुट्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र कपूर ने भी सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी पर नाराजगी जताई है। कपूर ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की कीमतों में एकएक लगभग चार रुपए (3.89रु) प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी आम जनता के लिए बहुत महंगी साबित होगी। बुराई निवासी ऑटो टैक्सी चालक आनंद कौशिक का कहना है कि सरकार को हमारे लिए भी सोचना चाहिए कि गरीब आदमी कैसे अपने बच्चों का पेट पालेंगे। अब दिल्ली में सीएनजी की कीमत 86.98 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है।

श्री गुरु तेग बहादुर स्मारक के सामने बदहाली ही बदहाली



दया राम ►► नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 44 से प्रवेश करने वाले प्रमुख मार्गों में शामिल सिंधु बॉर्डर से दिल्ली में प्रवेश करते ही बदहाली की पहली तस्वीर सामने आ जाती है और यह पहली बदहाली की तस्वीर ही राजधानी दिल्ली की सरकार की कार्यशैली और व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर रही है। बता दें कि हरियाणा की ओर से सिंधु बॉर्डर पार कर करीब तीन सौ मीटर पर दिल्ली में प्रवेश करते ही श्री गुरु तेग बहादुर स्मारक के आसपास सड़क की खराब हालत, गहरे गड्ढे और बारिश के दौरान जमा होने वाला पानी स्थानीय लोगों के साथ-साथ दिल्ली आने वाले पर्यटकों

डेढ़ साल में सरकार बदली लेकिन नहीं बदली तस्वीर, बारिश होते ही सड़क बन जाती है तालाब

कई बार गड्ढों में फंस जाते हैं नए चालक

स्थानीय निवासी बताते हैं कि कई बार वाहन चालक पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लगा पाते और नए वाहन चालक गड्ढों में फंस जाते हैं। लोगों का कहना है कि दिल्ली में प्रवेश करने वाले इस प्रमुख स्थान पर जलनिकासी की उचित व्यवस्था नहीं होना गंभीर लापरवाही है। जब बारिश के दौरान राजधानी के इस प्रवेश द्वार पर ही सड़क और जलमयवक की समस्या दिखाई देती है तो बाहर से आने वाले लोगों के बीच दिल्ली की कैसी छवि बनती होगी, इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।

सरकार और विभागों को

जानकारी, फिर भी समाधान नहीं

स्थानीय लोगों के मुताबिक दिल्ली सरकार के संबंधित मंत्रियों की ओर से इस क्षेत्र का दौरा भी किया जा चुका है। दिल्ली पर्यटन विभाग और प्रशासन के रंजान में भी क्षेत्र की समस्याएं होने की बात कही जा रही है। इसके बावजूद स्थायी समाधान नहीं होने से लोगों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों का सवाल है कि जब संबंधित विभागों और जनप्रतिनिधियों को समस्या की जानकारी है तो आखिर कार्रवाई कब होगी? उनका कहना है कि सरकार बदलने के बाद उन्हें उम्मीद थी कि लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान होगा, लेकिन डेढ़ साल बाद भी हालात सुधरने के बजाय कई जगह और खराब दिखाई दे रहे हैं।

सरकार से स्थानीय लोगों की सीधी मांग

स्थानीय लोगों का कहना है कि सिंधु बॉर्डर दिल्ली का प्रमुख प्रवेश द्वार है। इसलिए यहां की सड़क और आसपास की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि दिल्ली में प्रवेश करने वाले व्यक्ति को राजधानी के विकास और बेहतर नागरिक सुविधाओं का अनुभव मिले, न कि बदहाल सड़क और जलमयवक का। उन्होंने दिल्ली सरकार से मांग की है कि संबंधित मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी बिना देरी मौके का निरीक्षण कर समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करें और बारिश के अगले दौर से पहले जरूरी काम शुरू कराए जाएं। लोगों का कहना है कि इस समस्या का समाधान किसी राजनीतिक दल की जीत-हार का विषय नहीं, बल्कि दिल्लीवासियों, श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा तथा राजधानी की गरिमा से जुड़ा जनहित का मामला है।

पर्यटकों के लिए पहला अनुभव ही खराब

श्री गुरु तेग बहादुर स्मारक दिल्ली के महत्वपूर्ण स्मृति स्थलों में शामिल है। यहां आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालु जब सिंधु बॉर्डर से दिल्ली में प्रवेश करते हैं तो उन्हें स्मारक के आसपास बदहाल सड़क और जलमयवक का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह केवल सड़क की समस्या नहीं, बल्कि दिल्ली के स्वागत द्वार की छवि से जुड़ा मामला है। बाहर से आने वाले पर्यटकों के लिए राजधानी में प्रवेश का पहला अनुभव ही यदि गंदगी, पानी और टूटे मार्ग से हो तो दिल्ली की बेहतर छवि का संदेश नहीं जाता।

फाइलों में नहीं, मौके पर दिखे काम

स्थानीय लोगों और पर्यटकों की मांग है कि दिल्ली सरकार इस पूरे मामले को केवल सामान्य सड़क मरम्मत के तौर पर न लेकर जनहित और राजधानी की छवि से जुड़ा महत्वपूर्ण तत्काल कार्रवाई करे। संबंधित विभाग संयुक्त रूप से मौके का निरीक्षण करें और यह तय करें कि जलमयवक की मूल वजह क्या है। लोगों का कहना है कि सबसे पहले गहरे गड्ढों को तत्काल भरा जाए, जलनिकासी व्यवस्था दुरुस्त की जाए और बारिश के दौरान पानी जमा न हो, इसके लिए स्थायी समाधान किया जाए। साथ ही स्मारक के आसपास सड़क, फुटपाथ और प्रकाश व्यवस्था की भी व्यापक समीक्षा हो।

गन प्वाइंट पर लूट में शामिल महिला समेत तीन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

पश्चिम विहार वेस्ट पुलिस ने गन प्वाइंट पर सवा चार लाख से ज्यादा की रकम लूट के मामले को सुलझाते हुये एक महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनसे लूट की रकम में से 4 लाख 32 हजार रुपये भी बरामद कर लिये गये। पकड़े गये दो आरोपियों के नाम मंगोलपुरी निवासी सचिन और निहाल विहार निवासी नरेश बताये गये। पकड़ी गई महिला सचिन की पत्नी है।

पुलिस के अनुसार 27 अगस्त को पश्चिम विहार वेस्ट थाने में एक पीसीआर कॉल आई, जिसमें कॉलर ने बताया कि उसके कर्मचारी नकदी लेकर जा रहे थे। रास्ते में एक महिला और एक पुरुष उनके पास आए और हथियार दिखाकर लगभग 5 लाख नकद लेकर भाग गए। सूचना मिलने पर एसआई अमित बेनीवाल को तुरंत यह कॉल सौंपी गई और वे घटनास्थल, यानी हाउस नंबर 28, एनएस रोड, मियांवाली नगर पहुंचे। जांच के



दौरान पुलिस ने कैमरा फुटेज का विश्लेषण किया। महावीर नाम के एक कर्मचारी से भी पूछताछ की गई। उसने बताया कि नरेश के साथ मिलकर अलग अलग क्लाइंड्स से कुल 4 लाख 33 हजार 500 की रकम इकट्ठा की थी। महावीर ने आगे बताया कि जब वे अपनी मंजिल की ओर जा रहे थे, तो नरेश ने उससे कहा कि उसकी मोटरसाइकिल भेरा एन्क्लेव में खड़ी है। उसे वहां छोड़ने के बाद वह खुद इंद्र एन्क्लेव की ओर चला गया। जब महावीर एनएस रोड पर पहुंचा, तो मोटरसाइकिल पर सवार एक पुरुष और एक महिला उनके

पीछे से आए और जबरदस्ती उन्हें रोक लिया। पुरुष आरोपी ने उनसे हाथापाई की जबकि महिला आरोपी ने उनकी मोटरसाइकिल की डिक्की में रखे पैसे निकाल लिए। इसके बाद दोनों अपनी मोटरसाइकिल पर बैठकर वहां से भाग गए। बाद में पूछताछ के दौरान नरेश ने बताया कि यह लूट उसने पहले से ही प्लान की थी। उसने मोटरसाइकिल की चाबी लुटेरों को दी थी और उसके परिचित सचिन ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। इसके बाद महिला और उसके पति सचिन को भी अरेस्ट कर लिया गया।

23.60 लाख के गबन का आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

आदर्श नगर पुलिस ने 23.60 लाख के गबन के आरोपी को गिरफ्तारकर लिया है। आरोपी अर्जुन शर्मा (37) से 20.80 लाख रुपये बरामद कर लिये गये। इसके अलावा अपराध में इस्तेमाल किया गया एक एक्टिवा स्कूटर और तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए गये हैं।

पुलिस के अनुसार 21 अगस्त को अशोक विहार निवासी शिकायतकर्ता ने बताया कि लाल बा इलाके के फैक्टरी क्षेत्र में उनका कैमिकल का कारोबार है। उन्होंने अपने ऑफ़थ्स कर्मचारी अर्जुन शर्मा को सरस्वती विहार इलाके में एक पार्टी से 23 लाख 60 हजार रुपये लेने के लिए भेजा था। उन्होंने आरोप लगाया कि सुबह लगभग 10:30 बजे सी-522, सरस्वती विहार में बिजनेस पार्टी से उक्त रकम लेने के बाद बैंक में जमा करने के बजाय अर्जुन ने मोबाइल

कॉल का जवाब देना बंद कर दिया। कुछ समय बाद उसने मोबाइल फोन रिव्च ऑफ कर लिया। उन्होंने खुद उसे खोजने की कोशिश की लेकिन अर्जुन शर्मा का पता नहीं चला। शिकायत के बाद आदर्श नगर पुलिस ने मामला दर्ज किया। एक टीम गठित की गई। जांच टीम ने आरोपी के ठिकाने और गतिविधियों के बारे में सुराग पाने के लिए विस्तृत तकनीकी निगरानी और फील्ड जांच की। लगातार फील्ड वॉरिफिकेशन के जरिए आरोपी को एक्टिवा स्कूटर पर आवाजाही और उसके संभावित रास्ते का पता चला। आखिर में अर्जुन को सफलतापूर्वक खोज गिरफ्तार किया गया। उसके पास से गबन की गई रकम का एक बड़ा हिस्सा बरामद हो गया है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि फरारी के समय उसने जयपुर, चंडीगढ़ और मनाली सहित कई जगहों की यात्रा की थी। मामले में बाकी रकम बरामद करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

PUBLIC NOTICE

The Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEF&CC) has accorded Environmental Clearance to M/s Tejaswini Developers (P) Ltd. (the Promoters) for the proposed Construction of IT/ITES building at Plot No. 37, Block A, Mohan Co-operative Industrial Estate located in South district of New Delhi with Pin Code 110020. The Environmental Clearance no. EC24C3803DL5830563N dated 20/01/2025 has been granted for the proposed Construction of IT/ITES building at the site with total built up area of 29438.81 sqm. Subsequently, M/s Tejaswini Developers (P) Ltd. have handed over the possession of the entire land/ Project to M/s Pace Commodity Brokers (P) Ltd. on 12/12/2025. Consequently, M/s Pace Commodity Brokers (P) Ltd. has applied for the transfer of granted EC in its name which is under active consideration of SEIAA, Delhi. Copies of the previously granted environmental clearance to M/s Tejaswini Developers (P) Ltd. are available with the Delhi Pollution Control Committee and can also be viewed on the official web portal of the Ministry at PARIVESH Portal or the company website at <https://commodity.pacefin.com>

Narender Rustagi
M/s Pace Commodity Brokers (P) Ltd.
C-3, Okhla Industrial Area, Phase-1, New Delhi – 110020

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए
मेरे समक्ष परिववाद किया गया है कि अभियुक्त, समीर उर्फ राहुल, पता: मकान संख्या 122, चौथी मंजिल, गली संख्या 5, अंबेडकर बस्ती, मौजपुर, दिल्ली, मे **FIR No. : 80123960/2025, U/s: 303(2), 317(2), 3(5)** भारतीय न्याय संहिता, धाना: आईपी एस्टेट, दिल्ली, के अधीन दण्डनीय अपराघ किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, समीर उर्फ राहुल, मिल नहीं रहा है और मुझे समझानाप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, समीर उर्फ राहुल, फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है) । इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. : 80123960/2025, U/s: 303(2), 317(2), 3(5)** भारतीय न्याय संहिता, धाना: आईपी एस्टेट, दिल्ली, के उक्त अभियुक्त, समीर उर्फ राहुल, से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिववाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **24.10.2026** को या इससे पहले हाजिर हों ।

आदेशानुसार
सुश्री प्रीति
DP/12073/CD/2026
(Court Matter)

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-03 (केंद्रीय)
केंद्रीय जिला, कक्ष संख्या-150,
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 (2) (ii) Cr. P.C. देखें
मेरे समक्ष परिववाद किया गया है कि अभियुक्त **सूरज कुमार** पुत्र: मनोज कुमार, निवास: म.नं. A-151, दूसरा तल, कैम्प नं. 4, न्जालपुरी, दिल्ली ने **FIR No. 561/2019 U/s 356/379 IPC,** धाना: पश्चिम विहार पश्चिम, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराघ किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सूरज कुमार** मिल नही रहा है और मुझे समझानाप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सूरज कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है) । इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 561/2019 U/s 356/379 IPC,** धाना: पश्चिम विहार पश्चिम, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **सूरज कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिववाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.10.2026** को या इससे पहले हाजिर हो ।

आदेशानुसार
अंकित करण सिंह
DP/12210/OD/2026
(Court Notice)

मम-08 (पश्चिम), कमरा नं. 30
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

नागरिक को मिलेगी सुविधाओं से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सौगात

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा

मनाएगी दिल्ली सरकार: रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर दिल्ली सरकार 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाएगी। इस दौरान राजधानी को विकास और नागरिक सुविधाओं से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सौगात मिलेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार इस अवधि में विभिन्न विभागों की तैयार परियोजनाओं का उद्घाटन करेगी। इनमें परिवहन, सड़क, सीवरेज, जल शोधन, शिक्षा, बिजली, सार्वजनिक सुविधाओं और शहरी सौंदर्यकरण से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं में सबसे महत्वपूर्ण बारापुला एलिवेटेड रोड (फेज-3) का उद्घाटन भी शामिल है, जिसकी लागत करीब 1,635 करोड़ रुपये है। मुख्यमंत्री ने कहा है



सेवा और राजधानी के समग्र विकास को समर्पित है पखवाड़ा

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर मनाया जा रहा सेवा पखवाड़ा दिल्लीवासियों की सेवा और राजधानी के समग्र विकास को समर्पित है। सेवा पखवाड़े के दौरान जिन परियोजनाओं को शुरू किया जा रहा है, वे इस बात का प्रमाण हैं कि दिल्ली सरकार राजधानी के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ स्वच्छता, जल धर्च सीवरेज व्यवस्था, यातायात, शिक्षा, बिजली और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर मनाया जाने वाला सेवा पखवाड़ा दिल्लीवासियों की सेवा और

राजधानी के समग्र विकास को समर्पित है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि 7 अक्टूबर 2001 को पहली बार गुजरंत के

महात्मा गांधी कैंप जेजे क्लस्टर में चलाया मेगा स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम के पश्चिमी जोन ने शनिवार को पंजाबी बाग की रोड नंबर 77 स्थित महात्मा गांधी कैंप जेजे क्लस्टर में मेगा स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) तथा सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग (आई एंड एफसी) सहित संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित किया गया। अभियान का उद्देश्य महात्मा गांधी कैंप जेजे क्लस्टर तथा इसके आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाना और सड़कों, नालियों, कचरा हटाने तथा अतिक्रमण से संबंधित मुद्दों पर समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करना था। जानकारी अनुसार अभियान के दौरान एमसीडी द्वारा 180 सफाई कर्मचारियों और 10 बेलदारों को तैनात किया गया। इसके अलावा एमआरएस, वाटर संप्रिंकलर, जेसीबी, टाटा वाहन, टिप्पर, साइकिल रिक्शा तथा व्हील बैरो सहित विभिन्न मशीनरी एवं उपकरणों का उपयोग किया गया। अभियान के दौरान मौके और आसपास के क्षेत्रों से लगभग 17 टन मिश्रित ठोस कचरा (एमएसडब्ल्यू) हटाया गया। वहीं अभियान के तहत लगभग 1.5 किलोमीटर लंबे सड़क मार्ग की सफाई की



गई। इसमें मुख्य सड़क, सेंट्रल वर्ज, ग्रीन बेल्ट तथा सर्विस लेन की सफाई एवं ड्राइड लगाने का कार्य शामिल है। इसके साथ ही बड़े और छोटे नालों की सफाई, एमएसडब्ल्यू एवं निर्माण एवं विध्वंस (सी एंड डी) कचरे को हटाने, पेड़ों की छंटाई तथा अस्थायी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी की गई। इस मौके पर दिल्ली सरकार के अधिकारियों ने भी दौरा कर पश्चिमी जोन, के उपायुक्त एवं सहायक आयुक्त के साथ संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। पश्चिमी जोन द्वारा संबंधित विभागों के साथ अग्रिम समन्वय एवं फॉलो-अप भी किया गया, ताकि उनकी प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। साथ ही अंतर-विभागीय कार्रवाई को सुचारू रूप से अंजाम दिया जा सके।

लालकिला विस्फोट मामलेला अदालत ने एनआईए के आरोपपत्र का लिया संज्ञान

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को लालकिला विस्फोट मामले में 13 आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा दाखिल 7,500 पन्नों के आरोपपत्र का संज्ञान लिया। पिछले साल 10 नवंबर को लालकिले के पास एक कार में हुए विस्फोट में 11 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। इस कार को उर्ी उमर उन नहीं चला रहा था। विशेष न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने एजेंसी के आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए मामले की अगली सुनवाई के लिए नौ सितंबर की तारीख तय की। एनआईए ने इस साल 14 मई को 10 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। आरोपपत्र में कहा गया है कि इन 10 आरोपियों में मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी समेत सभी के तार अंतराजर जगत-उल-हिंद से जुड़े थे। यह संगठन भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा की शाखा है। एजेंसी ने तीन और लोगों के खिलाफ पूरक आरोपपत्र दाखिल किया था। इनमें एक फरार बाल रोग विशेषज्ञ भी शामिल हैं, जिसे आतंकवादी मॉड्यूल के संस्थापक सदस्यों से से एक बताया गया है। इन लोगों पर विस्फोट में शामिल होने का आरोप है। इसके साथ ही मामले में आरोपपत्र दाखिल किए गए आरोपियों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है।

वरिष्ठ अधिकारियों ने चिन्हित हॉटस्पॉट का किया निरीक्षण

जलभराव के खिलाफ पीडब्ल्यूडी ने तेज की जमीनी कार्रवाई: प्रवेश

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

मानसून के बाकी समय में दिल्लीवासियों को जलभराव से जल्द राहत दिलाने के उद्देश्य से दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने शनिवार को राजधानी में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए जमीनी स्तर पर कार्रवाई तेज कर दी। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह कदम दिल्ली ट्रैफिक पुलिस द्वारा '20 अगस्त तक हुई बारिश के दौरान 113 जलभराव वाले स्थानों' की पहचान किए जाने और '24 अगस्त की बारिश के दौरान 26 अतिरिक्त स्थान' चिन्हित किए जाने के बाद उठाया गया है। आगे भी भारी बारिश की संभावना को देखते हुए पीडब्ल्यूडी ने इन चिन्हित स्थानों का निरीक्षण कर



मौके की वास्तविक स्थिति का आकलन किया और अतिरिक्त उपायों की जरूरत की समीक्षा की। मंत्री प्रवेश ने बताया कि पीडब्ल्यूडी के प्रधान सचिव, विशेष सचिव, इंजीनियर-इन-चीफ, मुख्य अभियंताओं और अधीक्षण अभियंताओं ने अपने-अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत चिन्हित

जलभराव वाले स्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य जलभराव के कारणों की पहचान करना और तत्काल किए जाने वाले अतिरिक्त उपायों की आवश्यकता का आकलन करना रहा। पीडब्ल्यूडी को निरीक्षण के दौरान सामने आए 'स्थानवार निष्कर्षों और सिफारिशों' को संकलित करने के

परियोजनाओं से मिलेगा लाखों नागरिकों को सीधे लाभ

मुख्यमंत्री ने बताया कि इन परियोजनाओं से दिल्ली के अलग-अलग क्षेत्रों में रहने वाले लाखों नागरिकों को सीधे लाभ मिलेगा और उनके जीवन को अधिक सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाने में मदद मिलेगी। हमारी सरकार का संकल्प है कि विकास का लाभ दिल्ली के हर क्षेत्र और हर वर्ग तक पहुंचे तथा राजधानी को आधुनिक, स्वच्छ, सशक्त और सुविधाओं से संपन्न दिल्ली के रूप में विकसित किया जाए।

सीवरेज और जल प्रबंधन के क्षेत्र में बड़ी परियोजनाएं

मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि सेवा पखवाड़े के दौरान दिल्लीवासियों को सीवरेज और जल प्रबंधन से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं भी समर्पित की जाएंगी। इनमें बवाना के मौजूदा 20 एमजीडी जल शोधन संयंत्र में दो एमजीडी क्षमता के रीसाइक्लिंग प्लांट का निर्माण, ओखला में 564 एमएलडी क्षमता के वेस्टवाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण तथा बारापुला ड्रेन से बाटला हाउस फेज-2 एसपीएस तक इंटरसेप्टर सीवर का निर्माण शामिल है।

प्रदेश भाजपा चलाएगी मासिक 'सेवा संकल्प अभियान'

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा की अध्यक्षता एवं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की उपस्थिति में शनिवार को प्रदेश भाजपा की एक बैठक हुई जिसमें दोनों नेताओं ने अपने सम्बोधन में घोषणा की दिल्ली सरकार एवं दिल्ली भाजपा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय कार्ययोजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सेवा समर्पण के 25 वें वर्ष में उनके जन्म दिन 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर के मध्य दिल्ली में एक सेवा संकल्प अभियान चलायेंगे। बैठक को राष्ट्रीय पर्यवेक्षक कुलजीत सिंह चहल ने भी बैठक को सम्बोधित किया और आशा व्यक्त की दिल्ली के कार्यक्रम देश के सर्वोत्तम कार्यक्रम होंगे।

मुख्यमंत्री बने नरेंद्र मोदी जल्द ही संवैधानिक पद पर अपने कार्यकाल के ऐतिहासिक 25 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। इसलिए दिल्ली सरकार का यह सेवा पखवाड़ा इस बार विशेष होने जा रहा है। उन्होंने

बताया कि तैयार परियोजनाओं में बारापुला नाले पर सराय काले खां से मयूर विहार तक एलिवेटेड रोड (फेज-3) सबसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल है। इसके अलावा मुकरबा चौक के पास

आउटर रिंग रोड पर अंडरपास तथा बादली जंक्शन से हैदरपुर मेट्रो स्टेशन तक एग्रोच रोड के निर्माण की परियोजना भी उद्घाटन के लिए तैयार है, जिसकी लागत 54.10 करोड़ रुपये है।

टीबी के खिलाफ जंग में युवाओं की बड़ी भागीदारी बीमारी का समय पर पता चलने पर इलाज संभव

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

किसी भी बीमारी का समय पर पता चलने पर उसका इलाज संभव है। रेंजिलिएंस सेवा फाउंडेशन के संयोजक रवि शंकर प्रसाद ने 'राष्ट्रीय क्षय रोग एवं क्षसन रोग संस्थान' में आयोजित सप्ताहभर के टीबी मुक्त भारत लर्निंग प्रोग्राम को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद युवा स्वयंसेवकों को जागरूकता के लिए तैयार करने पर यह जानकारी दी। उन्होंने लोगों से स्वास्थ्य को लेकर जागरूक रहने की अपील करते हुए कहा कि बीमारी से बचाव के लिए जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण हथियार है। बता दें कि देश को टीबी मुक्त बनाने के राष्ट्रीय लक्ष्य में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में रेंजिलिएंस सेवा फाउंडेशन



की टीम ने माय भारत, साउथ दिल्ली के माध्यम से 'राष्ट्रीय क्षय रोग एवं क्षसन रोग संस्थान' में आयोजित सप्ताहभर के टीबी मुक्त भारत लर्निंग प्रोग्राम को सफलतापूर्वक पूरा किया। कार्यक्रम के दौरान युवा स्वयंसेवकों को टीबी की रोकथाम, समय पर जांच और उपचार के साथ मरीजों की काउंसलिंग तथा सामुदायिक जागरूकता से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई।

सिख दंगे के दोषी सज्जन कुमार को श्रद्धांजलि देकर भाजपा सांसदों ने सिखों के जख्म कुरेद दिए: सौरभ

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने भाजपा सांसदों कमलजीत सहरावत, योगेंद्र चंदोलिया और रामवीर सिंह बिधूड़ी पर निशाना साधते हुए कहा कि इनका दिल अभी भी सज्जन कुमार के लिए धड़क रहा है। सिख दंगे के दोषी पूर्व सांसद सज्जन कुमार को उनके घर श्रद्धांजलि देकर भाजपा सांसदों ने सिखों के जख्म कुरेदे हैं। उन्होंने पूछा कि क्या पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन इन सांसदों को निर्लिंबित करेंगे, वहीं सुखबीर सिंह बादल भाजपा के खिलाफ क्यों नहीं बोल रहे हैं। वहीं तिलक नगर से आप विधायक जरनैल सिंह ने कहा कि 1984 के सिख कल्लेआम पर भाजपा ने एक बार फिर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। जिस तरह से सज्जन कुमार की मौत के बाद दिल्ली भाजपा के बड़े नेता और तीन-तीन सांसद कमलजीत सहरावत, रामवीर सिंह बिधूड़ी और योगेंद्र चंदोलिया वहां जाकर आंसू बहा रहे हैं और श्रद्धांजलि दे रहे हैं, उससे साफ पता लगता है कि इन्हें 1984 के पीड़ितों से कोई हमदर्दी नहीं है। इन्हें दुख उस

लैंडफिल साइट की जमीन फिर से बन सकेगी उपयोगी: रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

दिल्ली की लैंडफिल साइटों को वैज्ञानिक तरीके से साफ कर फिर से उपयोग योग्य जमीन में बदलने की दिशा में काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर बताया कि ओखला, भलस्वा और गाजीपुर लैंडफिल साइटों से अब तक करीब 85 से 95 एकड़ जमीन को फिर से हासिल किया जा चुका है। सरकार के मुताबिक, इससे आसपास के क्षेत्रों में पर्यावरण बेहतर होने के साथ लोगों के जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लैंडफिल साइटों पर जमा पुराने

कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण के लिए एक तय रोडमैप के तहत काम किया जा रहा है। इसका उद्देश्य केवल कचरे के पहाड़ को कम करना ही नहीं, बल्कि खाली होने वाली जमीन का भविष्य में बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना भी है। सरकार का मानना है कि लैंडफिल साइटों पर पुराने कचरे के निस्तारण और नई कचरा प्रसंस्करण क्षमता विकसित होने से दिल्ली में कचरा प्रबंधन व्यवस्था मजबूत होगी साथ ही, लंबे समय से कूड़े के पहाड़ के आसपास रहने वाले लोगों को प्रदूषण और दुर्गंध जैसी समस्याओं से राहत मिलने की उम्मीद है।

गविष्य की जरूरतों की भी योजना बना रही है सरकार

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसे भाजपा सरकार के काम करने के मॉडल से जोड़ते हुए कहा कि सरकार आज किए गए वादों की पूरा करने के साथ-साथ गविष्य की जरूरतों की भी योजना बना रही है। इसी क्रम में दिल्ली के रोजाना निकलने वाले कचरे के प्रसंस्करण के लिए चार नए वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट स्थापित करने की योजना का भी उल्लेख किया गया है।

भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों को सीएम ने दी बधाई

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली प्रदेश के नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने भाजपा, दिल्ली प्रदेश ओबीसी मोर्चा एवं दिल्ली प्रदेश किसान मोर्चा, पूर्वोक्त मोर्चा के सभी नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों एवं जिलाध्यक्षों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के राष्ट्रसेवा के संकल्प, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन एवं दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा के नेतृत्व में संगठन निरंतर सशक्त हो रहा है। आप सभी का सेवाभाव और संगठनबिम्बिता जन कल्याण के संकल्प को नई शक्ति देने के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग से संगठन के आत्मीय जुड़ाव को और मजबूत करेगी। सभी के यशस्वी एवं सफल कार्यकाल की मंगलकामनाएं।

बायो माइनिंग कार्यों में दिए तेजी के निर्देश

महापौर वाही ने किया भलस्वा लैंडफिल साइट का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

महापौर प्रवेश वाही ने शनिवार को भलस्वा लैंडफिल साइट का निरीक्षण किया और अधिकारियों संग बैठक में प्रगति पर चर्चा की। निरीक्षण के बाद महापौर ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को बायो माइनिंग कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि कचरा निस्तारण के कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा करना है। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त अरुण कुमार मिश्रा, प्रमुख अभियंता के के. शर्मा सहित दिल्ली नगर निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। इस मौके पर महापौर वाही ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लैंडफिल साइट पर मशीनों की संख्या बढ़ाकर बायो माइनिंग कार्यों में तेजी लाई जाए। जिससे की जल्द से जल्द लैंडफिल की भूमि को साफ करके उसका रिवल्वेशन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के स्वच्छ-सुन्दर एवं कचरा मुक्त दिल्ली के मिशन को पूरा करने के लिए निगम प्रतिबद्ध है। यही कारण है कि भलस्वा लैंडफिल साइट पर प्रतिदिन लगभग 15000 मीट्रिक टन कचरे का निस्तारण होने से पहाड़ घट रहा है। महापौर ने कहा कि लैंडफिल साइट पर जमा नए कचरे के निस्तारण में सितंबर के



उपरान्त और तेजी आ जाएगी। लैंडफिल साइट पर केवल 4-5 लाख टन लिगेसी कचरा बचा है। महापौर ने इस नए कचरे के निस्तारण का कार्य में दोगुनी तेजी लाने के निर्देश दिए। भलस्वा लैंडफिल साइट पर वेस्ट टू एनर्जी संयंत्र लगाने का कार्य भी चल रहा है जिसके पश्चात कचरा निस्तारण के कार्य में और भी तेजी आएगी। साइट से कचरा निस्तारण के बाद निकलने वाले इन्वर्ट को जलाने की बराई के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। महापौर ने दिल्ली के नागरिकों से अपील की कि वो कूड़े को चार श्रेणियों में पृथक कर कूड़े का सही तरीके से निस्तारण करें। स्वच्छता को अपनी आदत बना कर हम दिल्ली को साफ स्वच्छ एवं हरित बनाने में अपना योगदान दे सकते हैं।

गुरुद्वारा कमेटी ने भाजपा अध्यक्ष से कोशे की शुकायत

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने कांग्रेस के पूर्व नेता सज्जन कुमार के निधन पर उनके घर जाकर अफसोस जताने गए बीजेपी के तीन सांसदों के खिलाफ भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन को पत्र लिखकर शिकायत की है। इस मुद्दे पर शनिवार को कमेटी ने प्रेसवार्ता में कमेटी अध्यक्ष सरदार हरमोहन सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों ने भाजपा से तीनों सांसदों पर कार्रवाई करने की अपील की है। इस मौके पर काहलों ने सरना और जी.के. से कहा कि अपने आका सुखबीर बादल से इस मामले पर चुप्पी तोड़ने को कहें। उन्होंने कहा कि सज्जन कुमार सिख कल्लेआम का गुनहवार था, जिसे किसी भी कौमल पर माफ नहीं किया जा सकता। जब कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा ने उसे पार्टी का रोल मॉडल बताया था, तब हमने उसकी भी कड़ी निंदा की थी और आज जब भाजपा के तीन सांसद उसके घर अफसोस जताने गए हैं, तो हम इसकी भी कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि ये नेता भाजपा के वरिष्ठ नेतृत्व की भूमिका को भूल गए हैं।

सज्जन कुमार की मौत का है, जिसने हजारों घर उजाड़ दिए, हजारों सुहाग उजाड़ दिए और हजारों बच्चों को अनाथ कर दिया।

निगमायुक्त खिरवार ने सॉलिड वेस्ट प्रबंधन को लेकर विश्व बैंक के विशेषज्ञों संग की अहम बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के आयुक्त संजीव खिरवार ने शनिवार को ठोस अपशिष्ट (सॉलिड वेस्ट) प्रबंधन को विश्व बैंक के विशेषज्ञों के साथ एक उच्च स्तरीय अहम बैठक की। बैठक में निगमायुक्त खिरवार के अलावा अपर आयुक्त, इंजीनियर-इन-चीफ, सभी जनों के उपायुक्त तथा एमसीडी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं बैठक में विश्व बैंक की टीम ने टोक्यों, न्यूयॉर्क और बार्सिलोना जैसे शहरों में अपशिष्ट जा रहे विभिन्न अपशिष्ट प्रबंधन मॉडलों की प्रस्तुति दी। टीम के विशेषज्ञों ने दिल्ली के लिए रणनीतिक विकल्पों और एक प्रस्तावित मॉडल पर भी चर्चा की। इस प्रस्तावित दृष्टिकोण का उद्देश्य एमसीडी की परिचालन दक्षता में सुधार करना, वित्तीय स्थिरता को मजबूत करना तथा नगर निगम अपशिष्ट प्रबंधन से होने वाले वायुमंडलीय उत्सर्जन को कम करना है। इस अवसर पर निगमायुक्त खिरवार ने कहा कि एमसीडी दिल्ली में स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। दिल्ली की स्थानीय आवश्यकताओं और परिस्थितियों के अनुरूप वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को

अपनाने के महत्व पर जोर देना जरूरी है। आयुक्त ने कहा कि दिल्ली के लिए एक समग्रबद्ध, व्यापक और टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन रणनीति की आवश्यकता है, जिसमें कचरे का कुशल संग्रहण, परिवहन, प्रसंस्करण, वैज्ञानिक निस्तारण और अपशिष्ट से संसाधनों की अधिकतम प्राप्ति शामिल हो। उन्होंने कहा कि एक स्वच्छ और अधिक टिकाऊ दिल्ली के निर्माण में प्रौद्योगिकी, प्रभावी योजना और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जानकारी अनुसार बैठक का मूल उद्देश्य दिल्ली में नगर निगम अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सतत समाधानों पर विचार करना तथा विश्व के प्रमुख शहरों द्वारा अपनाई गई सफल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों का अध्ययन करना था। चर्चा में ठोस अपशिष्ट के कुशल संग्रहण, परिवहन, प्रसंस्करण और वैज्ञानिक निस्तारण के माध्यम से अपशिष्ट की स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया। विश्व बैंक के विशेषज्ञों ने टोक्यों के प्रौद्योगिकी आधारित अपशिष्ट प्रबंधन मॉडल पर चर्चा की, जिसमें उच्चत वेस्ट-टू-एनर्जी तकनीक का उपयोग किया जाता है।

दीर्घकालिक सुधारात्मक उपायों को भी शामिल किया जाएगा।

साथ जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए

लिएं भी कहा गया है। इसमें तत्काल किए जाने वाले उपायों के साथ-

खबर संक्षेप

धनबाद से चलेगी नई अमृत भारत ट्रेन

धनबाद। झारखंड के धनबाद व कोयंबटूर के बीच जल्द ही नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन शुरू होगी। रेलवे बोर्ड ने धनबाद डिवाजन के इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बिना एसी ट्रेन में आम यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाएं व कम किराए में सफर की सुविधा मिलेगी। अमृत भारत एक्सप्रेस दोनों दिशाओं से सप्ताह में एक-एक दिन चलाई जाएगी। हर शनिवार को धनबाद से शाम 4.10 बजे खुलेगी।

एनडीए में दलित आरक्षण पर बढ़ा झगड़ा

पटना। एनडीए में दलित आरक्षण में क्रीमी लेयर के मुद्दे पर झगड़ा बढ़ गया है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने इस मसले पर न केवल जीवनराम मांझी का ही इस्तीफा नहीं मांगा, बल्कि मांझी के बेटे एवं बिहार सरकार में मंत्री संतोष सुमन को भी कुर्सी छोड़ने को कहा है। वहीं हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सुमन उर्फ संतोष मांझी ने चिराग पासवान को अपना छोटा भाई बताया और कहा कि पहले वह पद से इस्तीफा दें।

आजम व जौहर विवि की लड़ाई जंतर जंतर पर

रामपुर। सपा के राष्ट्रीय महासचिव आजम खान, उनके बेटे अब्दुल्ला आजम और जौहर यूनिवर्सिटी की लड़ाई जंतर-मंतर पहुंचाने की कोशिश हो रही है। आजम समर्थकों ने रविवार को तीन घंटे के आंदोलन का ऐलान करते हुए लोगों से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया है। 30 अगस्त को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक जंतर-मंतर पर आंदोलन होगा।

पेज एक का शेप

भाजपा अध्यक्ष नवीन ने ...

कि सज्जन कुमार की मृत्यु पर शोक जताने के लिए भाजपा के तीन सांसद कमलजीत सहरावत, रामवीर सिंह बिथूड़ी और योगेश चंदोलिया ने सज्जन कुमार के आवास पर गये थे। इसके बाद सिख संगठनों ने इस मुद्दे पर कठोर शब्दों में आपत्ति जतानी शुरू कर दी थी। सिख संगठनों ने भाजपा हाईकमान से इसकी शिकायत भी की। सज्जन कुमार का 20 अगस्त को निधन हो गया था। वे 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए सिख विरोधी दंगों के दौरान सिखों की हत्याओं के लिए दो आजीवन कारावास की सजा काट रहे थे। भाजपा नेता एचएस फुल्का ने तीनों नेताओं के सज्जन कुमार के आवास पर जाने के बाद सबसे पहली प्रतिक्रिया में कहा था कि भाजपा नेताओं का यह दौरा विशेष रूप से आपत्तिजनक था। उन्होंने कहा था कि क्योंकि भाजपा ने लगातार सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों के न्याय के संघर्ष का समर्थन किया था और पीड़ितों के परिवारों द्वारा कुमार को जेल में ही रखने के प्रयासों का समर्थन किया था। हमें पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति सहानुभूति दिखानी चाहिए, जिनमें से कई लोग आज भी उन दिनों की भयावहता को जी रहे हैं। मैं इन तीनों सांसदों का बहिष्कार करता हूं। बताया जा रहा है कि भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने सज्जन कुमार के घर जाने पर इन तीनों सांसदों को फटकार लगाई है।

फिल्म निर्माताओं...

प्रशंसा करते हुए कहा कि यह एक्सपो भारत की प्रतिभा की नहीं बल्कि भारत की रचनात्मक शक्ति, भारत की संस्कृति का भी उत्सव है। यह उत्सव उस भारत का है, जो अपनी कहानियाँ स्वयं लिख रहा है। इन कहानियों को भारत पूरी दुनिया को सुना रहा है। इस फिल्म एक्सपो में कैमरा भी है, निर्माता भी हैं, निर्देशक भी हैं, कलाकार भी हैं, लेखक भी हैं, जो महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। हमारे लिए गर्व की बात है कि हमारे पास सबसे महान कहानियाँ हैं। इसी धरती ने हमें रामायण दी, इस भारत भूमि ने हमें महाभारत दी है। इसी पवित्र भूमि ने कृष्ण लीला दी है। इसी धरती ने वीरों के बलिदान की गाथाएं दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने फिल्म एवं मनोरंजन नीति-2022 लागू कर प्रदेश में फिल्म निर्माण के लिए एक अनुकूल और फिल्म-फ्रेंडली माहौल तैयार किया है। प्रदेश सरकार हरियाणा में फिल्म शूट करने पर 2 करोड़ रुपये तक की सब्सिडी दे रही है। फिल्म कलाकार मुकेश त्रिधि ने हरियाणा सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों व फिल्मों को लेकर बनाई गई नीतियों पर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री नावब सिंह सैनी की प्रशंसा की। फिल्म कलाकार प्रीति पट्टनू ने भी सिने आर्टिस्ट वेलफेयर ट्रस्ट और फिल्म एक्सपो के बारे में विस्तार से बताया। इस मौके पर फिल्म कलाकार बिंदु दारा सिंह, निर्देशक ज्योति यादव, कलाकार पुनीत ईशर व बलबीर सिंह रंधावा मौजूद रहे।

डोकलाम और गलवान...

और 2020 में गलवान विवाद के दौरान चीन की पश्चिमी थिएटर कमांड का नेतृत्व कर रहे थे। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, चीनी राष्ट्रपति का यह निर्णय उनके द्वारा ड्रेगन की सेना में बड़े पैमाने पर किए जा रहे सुधारों से जुड़ा हुआ है। जिसमें अबतक उन्होंने पीएलए

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं 200 समस्याएं सबकी समस्या का समाधान सरकार की प्रतिबद्धता

हरिभूमि न्यूज ॥ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिना भेदभाव, हर व्यक्ति की समस्या का समाधान कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों का निस्तरण संवेदनशीलता और शौघ्रता से किया जाए। उन्होंने हर पात्र व्यक्ति को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था करने और जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दवंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के



बाहर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री कुर्सियों पर बैठे लोगों तक वह खुद गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को ध्यान से सुना। सबसे प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तरण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि हर पीड़ति की समस्या का पारदर्शी समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा।

सीएम ने किया सलेमपुर में 305 करोड़ की 80 परियोजनाओं का लोकार्पण

9 साल में साढ़े नौ लाख लोगों को सरकारी नौकरी दे चुकी है यूपी सरकार

हरिभूमि न्यूज ॥ देवरिया

सीएम योगी आदित्यनाथ सलेमपुर विधानसभा क्षेत्र के मझौलीराज स्थित बड़वा टोला में आयोजित कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित करने के साथ ही भाटपाररानी और सलेमपुर विधानसभा क्षेत्रों की 304.97 करोड़ रुपए की 80 विकास परियोजनाओं की शोगत वी। इस दौरान उन्होंने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि यूपी के दो करोड़ नौजवानों को टैबलेट दिया जाएगा। साथ ही एक लाख नौकरियां निकाली जाएंगी।

पिछले 9 साल में साढ़े नौ लाख लोगों को सरकारी नौकरी प्रदेश सरकार दे चुकी है। मुख्यमंत्री ने युवाओं को आश्चस्त किया कि नौकरियों की कमी नहीं है। जल्द ही 45 हजार होमगार्ड, 36 हजार पुलिस (4 हजार सब इंस्पेक्टर) की भर्ती होगी। उग्र पब्लिक सर्विस कमीशन के तहत अलग-अलग विभागों में 30 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र देने जा रहे हैं। शिक्षकों की भर्ती भी करेगी। यूपीटीईटी की परीक्षा में 13 लाख नौजवान उत्तीर्ण हुए हैं। इस भर्ती का विज्ञापन जल्द जारी होने वाला है। इन नौजवानों के लिए भी जल्द ही नौकरी का खजाना निकलने वाला है।



लाखों महिलाओं ने की निःशुल्क बस यात्रा

सीएम ने कहा कि परिवहन निगम की बसों में तीन दिन तक सहयात्री के साथ निशुल्क बस यात्रा की सुविधा दी गई। पिछले दो दिनों में लाखों महिलाओं ने निशुल्क यात्रा का लाभ उठाया। आज भी निशुल्क बस सेवा जारी है। कल से 60 वर्ष से ऊपर की माताओं को निगम की बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। सरकार जनता के टैक्स का पैसा टर्नटन कर रही है। 16 करोड़ गरीबों को निशुल्क राशन मिल रहा है। अब कोई इनके राशन पर डाका नहीं डाल सकता।

कि झाओ से पहले चीन ने दो अन्य वरिष्ठ सैन्य जनरलों जैसे झांग यूश्या और लियू झेनली को भी केंद्रीय सैन्य आयोग के पद से हटा दिया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों के खिलाफ अनुशासन और कानून के गंभीर उल्लंघन के संदेह में जांच इस निर्णय का आधार बनी।

दुनिया को मानवता के ...

कृष्णमय ही है। यदि यह विचार हर व्यक्ति के हृदय तक पहुंच जाए, तो यह भौतिक जगत सभी के लिए एक स्वर्ग जैसी सुंदर जगह में बदल जाएगा। संच प्रमुख ने स्पष्ट किया कि भगवद्गीता जीवन की चुनौतियों से भागना नहीं सिखाती, बल्कि अपने कर्तव्य पर दृढ़ रहकर उनका सामना करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कॉरपोरेट जगत का उदाहरण देते हुए समझाया कि जैसे किसी कंपनी में डायरेक्टर, सीईओ और कर्मचारी अलग-अलग जिम्मेदारियां निभाते हैं, लेकिन सभी का अंतिम लक्ष्य एक ही होता है। ठीक उसी तरह, जब ईसान यह समझ लेता है कि वह एक साझा उद्देश्य के लिए काम कर रहा है, तो सामूहिक प्रगति की गति काफी तेज हो जाती है।

संघ के शताब्दी वर्ष का किया उल्लेख: इस दौरान उन्होंने आरएसएस की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर (शताब्दी वर्ष) का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि संघ भी समाज में इसी उच्च चेतना को जागृत करने का कार्य कर रहा है। दौरे के दौरान डॉ. भागवत ने मैनहट्टन में 26 सेकेंड एवेन्यू (जहां से 1966 में इस्कॉन की शुरुआत हुई थी) का दौरा किया और बेघर लोगों के लिए चलाए जा रहे 'जीरो हंगर' खाद्यान्न वितरण कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

व्हाट्सऐप मॉनिटरिंग के ...

सरकारी निगरानी तथा कार्रवाई से जोड़ने का दावा किया गया है। लेकिन व्हाट्सऐप पर इस तरह के सरकारी निगरानी संकेत देने वाले तीन ब्लूटिक या लाल टिक का कोई आधिकारिक फीचर नहीं है।

लोगों से अफवाहों से बचने की अपील : पीआईबी फैक्ट चेक लगातार सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने वाली भ्रामक सूचनाओं की जांच करता है। सरकार ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर प्राप्त किसी भी सनसनीखेज दावे को बिना सत्यापन के आगे साझा न करें। सरकारी नीतियों, नियमों और दिशा-निर्देशों से संबंधित जानकारी के लिए आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा किया जाना चाहिए।

फर्जी संदेशों के प्रसार से पैदा हो सकता है भ्रम: व्हाट्सऐप जैसे व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले प्लेटफॉर्म पर सरकार के नाम से इस तरह के संदेश तेजी से फैलने से आम लोगों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। खासकर निगरानी, गिरफ्तारी, सरकारी कार्रवाई या अदालत के समन जैसे दावों से लोगों में अनावश्यक डर पैदा हो सकता है। ऐसे में किसी संदेश को सही मानने या आगे भेजने से पहले उसके स्रोत और आधिकारिक पुष्टि की जांच करना जरूरी है। सरकार ने साफ किया है कि व्हाट्सऐप की निगरानी के लिए सई गाइडलाइन जारी किए जाने का दावा फर्जी है। इसलिए ऐसे संदेशों को आगे प्रसारित करने से बचना चाहिए।

वायरल संदेश में ...

या उसकी जानकारी की निगरानी की जा रही है।

69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण को लेकर आंदोलन फिर शुरू हो गया है। इस बार अभ्यर्थी बेसिक शिक्षा मंत्री के आवास के सामने भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं...

एजेंसी ॥ लखनऊ

राजधानी लखनऊ में 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण घोटाले के खिलाफ पिछले कई वर्षों से आंदोलन करने वाले छात्रों का संघर्ष आज पुनः शुरू हो गया।

एक बार फिर से लखनऊ की सड़कों पर आरक्षण दो न्याय दो की मांगें गुंज उठी हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि सर्वोच्च न्यायालय में 69000 शिक्षक भर्ती मामले की सुनवाई 8 सितंबर को तय है। लेकिन सरकार सुप्रीम कोर्ट में उन अभ्यर्थियों का पक्ष नहीं रख रही है, जिनकी नियुक्ति के लिए चयन सूची आज से 4 साल पहले ही जारी हो चुकी है। उसके आधार पर 6800 ओबीसी व दलित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मिलना था।

69000 शिक्षक मर्ती: आरक्षण को लेकर आंदोलन फिर शुरू

शिक्षा मंत्री के आवास के सामने भूख हड़ताल पर बैठे गए अभ्यर्थी

सरकार पर सुप्रीम कोर्ट में पैरवी न करने का आरोप



सुको में सुनवाई 8 सितंबर को अग्रार्थियों के मुताबिक, 69000 शिक्षक मर्ती मामले की सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 8 सितंबर को निर्धारित है। उनका आरोप है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट में उन अग्रार्थियों का पक्ष नहीं रख रही है। जिनकी नियुक्ति के लिए चयन सूची करीब चार साल पहले जारी हो चुकी है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इसी चयन सूची के आधार पर 6800 ओबीसी और दलित अग्रार्थियों को नियुक्ति पत्र मिलना था, लेकिन अभी तक उन्हें नियुक्ति नहीं मिल सकी है।

फ्लू को लेकर यूपी में अलर्ट डिप्टी सीएम ने की चिकित्सा अधिकारियों के साथ समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ॥ लखनऊ

प्रदेश में मौसमी फ्लू के बढ़ते मामलों के बीच स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों में इलाज और जरूरी चिकित्सा संसाधनों की उपलब्धता को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को प्रदेशभर के स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्थिति की समीक्षा की और अस्पतालों में ओसेल्टामिविर (टेमीफ्लू), ऑक्सीजन मास्क और ब्रोंकोडायलेटर्स का पर्याप्त स्टॉक रखने के निर्देश दिए।

प्रदेश में मरीजों की संख्या को देखते हुए संबंधित जिलों में अस्पतालों की पूरी तरह तैयार रखने और संसाधनों की नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अस्पतालों में सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षणों के साथ भर्ती सभी गंभीर मरीजों की फ्लू जांच सुनिश्चित की जाए।

फ्लू-बुखार मरीजों के लिए अलग रजिस्ट्रेशन काउंटर

उपमुख्यमंत्री ने अस्पतालों में बुखार और फ्लू से संबंधित मरीजों के लिए अलग रजिस्ट्रेशन काउंटर बनाने के निर्देश दिए हैं। इसका उद्देश्य मरीजों का पंजीकरण जल्द करके उन्हें बिना अनावश्यक इंतजार के चिकित्सकीय परामर्श और उपचार उपलब्ध कराना है।



ज्यादा मामले वाले जिलों में अलग ओपीडी जिन जिलों में फ्लू के मामले अधिक हैं, वहां श्वसन संबंधी शिकायत वाले मरीजों के लिए अलग ओपीडी संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। डिप्टी सीएम ने गंभीर मरीजों के उपचार के लिए प्रत्येक जिले में जिला एवं संयुक्त अस्पताल स्तर पर चार से छह आइसोलेशन बेड तैयार रखने को कहा है। यह भी निर्देश दिए कि गंभीर मरीजों के इलाज में दवा, ऑक्सीजन या अन्य आवश्यक उपकरणों की कमी न हो।

4 शूटरों की हुई पहचान, एक को पहले भेजा जा चुका जेल

अंकित बालियान हत्याकांड में बड़ा खुलासा

सभी आरोपी हरियाणा के हिसार और रोहतक के



एजेंसी ॥ शानली

यूपी के शामली में हरियाणावी सिंगर अंकित बालियान की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। यूपी एसटीएफ ने वारदात को अंजाम देने वाले चारों शूटरों की पहचान कर ली है। जांच में सामने आया है कि सभी आरोपी हरियाणा के हिसार और रोहतक के रहने वाले हैं। पुलिस अब इनकी गिरफ्तारी के लिए हरियाणा और दिल्ली में लगातार दबिश दे रही है। पुलिस जांच में सामने आया है कि चारों शूटरों में से एक आरोपी पहले भी हत्या के एक मामले में जेल जा चुका है। वहीं, बाकी तीन आरोपी छोटे-मोटे अपराधों में शामिल रहे

हैं। एसटीएफ ने चारों आरोपियों का आपराधिक पृष्ठभूमि और उनके पुराने संपर्कों का जानकारी जुटा ली है। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि अंकित बालियान की हत्या की साजिश किसने रची और शूटरों को वारदात के लिए किसने तैयार किया। अंकित की हत्या के बाद हरियाणा पुलिस ने संदिग्ध शूटरों के घरों पर छापेमारी की। पुलिस ने उनके परिवार के सदस्यों और करीबियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की. बताया जा रहा है कि जब पुलिस आरोपियों के घर और रिशतेदारों तक पहुंचने लगी तो चारों शूटरों ने अपने मोबाइल फोन बंद कर दिए और फरार हो गए. पुलिस अब उनके संभावित ठिकानों की तलाश कर रही है।

बिहार में शौचालय की टंकी बनी मौत का कुआं दम घुटने से 4 मजदूरों की मौत, बचाने वाला भी गंभीर

एजेंसी ॥ गोपालगंज

जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र स्थित सवनही पट्टी गांव में शनिवार दोपहर एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहां शौचालय की टंकी की सेंटिंग खोलने के दौरान जहरीली गैस और ऑक्सीजन की कमी के कारण दम घुटने से चार कामगारों की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना में चारों को बचाने की कोशिश कर रहा एक स्थानीय युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल रेफर किया गया है। एक साथ चार मौतों से पूरे गांव और आसपास के इलाकों में कोहराम मच



गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सवनही पट्टी गांव निवासी गयासुद्दीन के मकान में करीब 15 दिन पहले शौचालय की टंकी की ढलाई का काम पूरा हुआ था। शनिवार दोपहर टंकी के अंदर लगी लकड़ी और प्लाई की सेंटिंग हटाने के लिए कामगार एक-एक करके नीचे उतरे थे। टंकी काफी दिनों से बंद थी, जिसके कारण उसके अंदर जहरीली गैस जमा हो गई थी।

विशेष: जन्माष्टमी, 4 सितंबर

हमारे आराध्य-पथप्रदर्शक पूर्णावतार श्रीकृष्ण

जन्माष्टमी केवल श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव नहीं, एक स्मरण है कि कान्हा की हर लीला, हर प्रसंग हमें आचरण के वो पाठ सिखाते हैं, जो आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके युग में थे। यही वजह है कि युगों बाद भी पूर्णावतार श्रीकृष्ण हमारे लिए आराध्य भगवान ही नहीं, शिक्षक की तरह जीवन के पथप्रदर्शक भी बने हुए हैं।

आवरण कथा

रामिनी रामपल्लीवार

भगवान श्रीकृष्ण को हम पूजते हैं, यह सत्य है। मंदिरों में उनकी प्रतिमा सजती है, जन्माष्टमी पर घर-घर दीप जलते हैं और भजनों में उनका नाम गूंजता है। पर यदि कृष्ण केवल पूजा तक सीमित रह जाएं, तो शायद हमने उन्हें आधा ही जाना। उनका अवतारी जीवन कोई कथा-मात्र नहीं, बल्कि ऐसा दर्पण है, जिसमें झांककर हम अपने आचरण को तराश सकते हैं। वे केवल आराध्य नहीं, आचार्य सदृश पथप्रदर्शक भी हैं। आज की दुनिया में हमारे सामने कुरुक्षेत्र जैसा कोई युद्ध नहीं है, फिर भी हमारे भीतर न जाने कितने युद्ध चल रहे हैं। रिश्तों में अविश्वास है, सफलता की होड़ है, अकेलापन है, विफल होने का डर है और हर समय दूसरों से अपनी तुलना करते रहने की बेचेनी है। ऐसे समय में श्रीकृष्ण को केवल मंदिर में पूजने की नहीं, उनके गुणों को आत्मसात करने की भी जरूरत है।

सच्ची मित्रता की मिसाल: सुदामा और श्रीकृष्ण की मित्रता आज भी मित्रता का सबसे सुंदर उदाहरण है। एक ओर द्वारिकाधीश, दूसरी ओर अभाव में जीवन बिताता उनका बालसखा। जब सुदामा संकोच में लिपटे, साधारण वस्त्र पहने और मुड़ी भर चिवड़ा लेकर द्वारका पहुंचे, तो श्रीकृष्ण ने अपने मित्र को राजसी औपचारिकताओं के पीछे नहीं छिपने दिया। वे आगे बढ़े, उन्हें गले लगाया और उनके लिए छोटे-से उपहार को उसी प्रेम से स्वीकार किया, जैसे वह कोई अनमोल भेंट हो। न वहां धन का भेद था, न पद का अहंकार। सच्ची मित्रता समय और परिस्थिति की मोहताज नहीं होती। वह यह नहीं पूछती कि आज तुम कितने सफल हो, बल्कि यह याद रखती है कि तुम कभी मेरे अपने थे। आज जब दोस्ती की कई बार सुविधा, हैसियत और सामाजिक दायरे से तय होती है, श्रीकृष्ण का जीवन एक सवाल करता है कि क्या हमारे पास ऐसा मित्र है, जिसके सामने हमें अपनी सफलता साबित करने की जरूरत नहीं पड़ती? और क्या हम किसी के लिए ऐसे मित्र हैं?

मित्रता का दूसरा रूप भी: अर्जुन के साथ श्रीकृष्ण की मित्रता इसका दूसरा रूप दिखाती है। यहां वह मित्र भी हैं, सारथी भी और

मार्गदर्शक भी। कुरुक्षेत्र में अर्जुन मोह और दुविधा से घिर गए। श्रीकृष्ण ने उनकी जगह निर्णय नहीं लिया। उन्होंने उनके भीतर के भ्रम को समझा, प्रश्नों का उत्तर दिया और अंततः निर्णय लेने की शक्ति अर्जुन के भीतर ही जगाई। आज के जीवन में भी सच्चा मित्र वही है, जो केवल हमारी हानि में हानि न मिलाए। जब हम भ्रमित हों, तब सही बात कहने का साहस रखे और फिर निर्णय लेने की स्वतंत्रता भी हमें दे।

स्त्री सम्मान के रक्षक: द्रौपदी के अपमान का प्रसंग महाभारत का सबसे पीड़ादायक प्रसंग है। भरी सभा में जब उसकी गरिमा पर आघात हुआ और वह असहाय होकर सहायता की पुकार करती रही, तब श्रीकृष्ण उसके भरोसे का केंद्र बने। पर इस प्रसंग की सबसे बड़ी सीख केवल चमत्कार में नहीं, उस प्रश्न में है जो हमसे पूछता है कि जब किसी स्त्री के सम्मान पर आंच आए, तब हम कहां खड़े होते हैं?

हम कहां खड़े होते हैं? श्रीकृष्ण का जीवन बताता है कि सामर्थ्य का अर्थ केवल स्वयं को सुरक्षित रखना नहीं, बल्कि जरूरत के समय किसी दूसरे की गरिमा की रक्षा के लिए खड़ा होना भी है। आज स्त्री-सम्मान की बातें बहुत होती हैं। लेकिन सम्मान केवल अच्छे-बड़े शब्दों से नहीं आता। वह हमारे व्यवहार, हमारी दृष्टि और उस समय लिए गए निर्णयों में दिखाई देता है, जब किसी के साथ अन्याय हो रहा हो। श्रीकृष्ण का यह रूप हमें संवेदनशील होने के साथ साहसी होना भी सिखाता है।

समर्थ होकर भी विनम्र: श्रीकृष्ण के पास अपार सामर्थ्य था, फिर भी उन्होंने महाभारत के युद्ध में शस्त्र न उठाने का निर्णय लिया और अर्जुन के सारथी बने। एक योद्धा का सारथी बनना किसी शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि अपार सामर्थ्य का अहंकार से ऊपर रखने का उदाहरण था। आज की दुनिया में सफलता के साथ अहंकार बहुत आसानी से चला आता है। पद बदलता है तो व्यवहार बदल जाता है, कमाई बढ़ती है तो पुराने रिश्ते छोटे लगने लगते हैं। श्रीकृष्ण इसके ठीक उलट खड़े दिखाई देते हैं। वे सिखाते हैं कि ऊंचाई का असली अर्थ ऊपर उठना नहीं, ऊपर उठकर भी सहज बने रहना है।

हर परिस्थिति में संतुलन: श्रीकृष्ण का जीवन संघर्षों से भरा था। जन्म कारागार में हुआ, बाल्यकाल में अनेक संकट आए, मथुरा छोड़कर द्वारका बसानी पड़ी और अंततः अपने ही वंश के

विशेष: शिक्षक दिवस, 5 सितंबर

गुरुकुल से गूगल-एआई तक

बरकरार है शिक्षक की महत्ता

बदलाव / लोकमित्र गौतम

एक समय था, जब ज्ञान प्राप्त करने का अर्थ किसी गुरु के सान्निध्य में बैठकर जीवन को समझना होता था। शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होती थी बल्कि वह संस्कार, अनुशासन, विवेक और चरित्र निर्माण का माध्यम भी थी। भारतीय परंपरा में गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा स्थान दिया गया है, क्योंकि वह अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाने वाला मार्गदर्शक होता है। लेकिन ये सब पुरानी बातें हैं। आज 21वीं सदी में दुनिया बदल चुकी है। ज्ञान हमारी हथेली पर मौजूद है। मोबाइल फोन में समा गया है। गूगल के माध्यम से हम मिनटों में ही सैकड़ों सवालों के उत्तर दे सकते हैं और अब तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बदौलत दुनिया के जटिल से जटिल सवाल का भी सेंकड़ों में उत्तर प्रस्तुत कर सकते हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या तकनीक के इस युग में गुरु यानी शिक्षक की भूमिका बदल गई है या फिर उसका महत्व पहले से अधिक बढ़ गया है?

ज्ञान कम-जानकारियां बेशुमार: वास्तव में आज तकनीक ने ज्ञान तक हमारी पहुंच बेहद आसान कर दी है। पहले किसी विषय को समझने के लिए पुस्तकालयों की धूलभरी अलमारियां खंगालनी पड़ती थीं। जबकि आज दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के दुर्लभ व्याख्यान, शोधपत्र और पाठ्यक्रम महज कुछ क्लिक की दूरी पर उपलब्ध हैं। आज हम किसी भी विषय पर वीडियो देख सकते हैं, चाहे छात्र हों या न हों। वास्तव में इस परिवर्तन ने शिक्षा को बेहद लोकतांत्रिक बनाया है। अब गुणवत्तापूर्ण जानकारी केवल बड़े शहरों या प्रतिष्ठित संस्थानों तक सीमित नहीं है। लेकिन एक महत्वपूर्ण अंतर भी पैदा हुआ है। आज जानकारी और ज्ञान एक-दूसरे के पर्याय नहीं रहे। जानकारीयां सिर्फ तथ्यों का संग्रह है, जबकि ज्ञान उन तथ्यों को सही संदर्भ में समझने और उनका विवेकपूर्ण उपयोग करने का माध्यम है। गूगल यह बताता है कि कोई निर्णय कैसे लिया जा सकता है? एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारे सामने किसी विषय का सार प्रस्तुत कर सकती है। लेकिन वह हमें जीवन के अनुभव, संवेदना और

मानवीय मूल्यों का स्थान नहीं ले सकती। भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा: भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि शिक्षक केवल पाठ नहीं पढ़ाता बल्कि व्यक्तित्व का निर्माण भी करता है। महर्षि वेदव्यास, आचार्य चाणक्य, गुरु वशिष्ठ, गुरु द्रोणाचार्य से लेकर आधुनिक काल में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे अनेक शिक्षकों ने सिर्फ ज्ञान भर नहीं दिया बल्कि अपने शिष्यों में दृष्टि, आत्मविश्वास और उत्तरदायित्व का भाव भी विकसित किया है, जो किसी भी मशीन या सॉफ्टवेयर के बस में नहीं है। बदल गई शिक्षक की भूमिका: आज के समय में शिक्षक की भूमिका काफी हद तक बदल गई है, लेकिन समाप्त नहीं हुई। पहले शिक्षक ज्ञान का मुख्य स्रोत होता था, अब वह सिर्फ ज्ञान का मार्गदर्शक बनता जा रहा है। पहले छात्र उत्तर जानने के लिए शिक्षक पर निर्भर थे, आज यह काम तो इंटरनेट भी कर देता है। लेकिन सही उत्तर की पहचान करना, उसकी विश्वसनीयता को परखना, विभिन्न विचारों की तुलना करना और उनका विवेकपूर्ण उपयोग करना, अभी भी यह सब भूमिकाएं शिक्षक के पास ही हैं। आज शिक्षक की जिम्मेदारी केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं है बल्कि विद्यार्थियों से प्रश्न पूछने, तर्क करने और स्वतंत्र सोच विकसित करने की क्षमता भी पैदा करना है। और महत्वपूर्ण हो गई भूमिका: वास्तव में एआई या कोई भी तकनीक चाहे जितनी उन्नत हो, लेकिन है तो एक तकनीक ही। यह शिक्षक को स्थानापन्न नहीं कर पाएगी। एआई के बावजूद शिक्षक का काम रचनात्मक उपयोग, पहले से कहीं ज्यादा जरूरी बना रहेगा। एआई के बावजूद शिक्षक का काम शिक्षा को अधिक रोचक बनाना बना रहेगा और एआई के बावजूद शिक्षक व्यक्तिगत और प्रभावी बना रहेगा, यानी एआई हर किसी को एक जैसी सहूलियत नहीं दे सकता। जो एआई के उपयोग में माहिर नहीं है, उन्हें अभी-भी ज्ञान, जानकारीयां और विश्लेषण के लिए शिक्षक की तरफ ही देखना होगा। शिक्षक दिवस के अवसर पर हमें यह भी समझना चाहिए कि गुरु का काम केवल सूचना देना भर नहीं होता। वह जीवन को दिशा देता है।

दोहे

राजेंद्र श्रीवास्तव

बरस रहे घनघोर

कल जाने क्या कर गए, इन मेघों से गोर।
आज गोर से ही यहां, बरस रहे घनघोर॥
बरसे मेघा अनवरत, भरे तलैया-तात।
उड़े पवन के साथ फिर, बेचारे कंगाल॥
इस रिगिझि बरसात में, भीगी-भीगी गोर।
शहरों में सड़के धुलें, दन में बाघे गोर॥
सांझ ठले सिर पर पड़ी, शीतल सुखद फुहार।
झन-झन झन झंकट हुए, मन-वीणा के तार॥
पादस रितु में छा गए, नभ पर घन भरपूर।
श्रिभनंदन यातक करें, स्वागत-नृत्य मयूर॥
सुनी पपील की कहीं, पिय-पिय करुण पुकार।
आस बंधाने आ गई, यह पावसी फुहार॥
गाठी की मनुहार पर, मेघ गया नन हार।
रुककर बरसाने लगा, प्यार और जल-धार॥

लघुकथाएं

जीवन सारथी

ओ हीरो!

मेरे पास जड़ें/जितनी पैरों के नाखून में फंसी मिट्टी।' (नाखून में फंसी मिट्टी) जैसी पंक्तियां में महसूस किया जा सकता है। किसानों की मनोव्यथा को इस पंक्ति में देखा जा सकता है, 'वह किसी मुलायम मिट्टी जितना भुरभुरा है/इस तरह कि बूने से टूट जाए' (इन दिनों किसान)। इसी तरह 'स्त्री का दुख' कविता की ये पंक्तियां हमें स्त्री जीवन की उस मार्मांतक पीड़ा की अनुभूति कराती हैं, जिसे प्रायः पुरुषों के द्वारा उपेक्षित ही किया जाता रहा है, 'कुछ दुख होते ही हैं ऐसे/जिसे कहा नहीं जाता/जुबान लाचार हो जाती है।' संग्रह की अधिकांश कविताएं हमारे समय की कुरूप छवियों को पूरी संवेदना के साथ सामने रखती हैं।

किताब: नाखून में फंसी मिट्टी (कविता संग्रह), रचनाकार: शंकरानंद, मूल्य: 325 रुपए, प्रकाशक: सेतु प्रकाशन, नोएडा

देश के कोने-कोने का भरोसा

2 करोड़+ खुद ग्राहक

आपके ग्राहकों की भी मुश्किलें स्टोर पर पहुंचें! Available at: www.mushroomworld.com Amazon Fulfilled

वजन बढ़ाने में सहायक

मशरूम एवं 12+ जड़ी-बूटियां

10 दिनों में असर देखें

क्योंकि वजन है, तो वजनदारी है!

Mushroom World Ayurved & Food Pvt. Ltd. For Trade Enquiry - +91 888 922 3333

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

निष्करुण समय में

हम जिस समय-समाज में जी रहे हैं, वह एक बड़े वर्ग के लिए बहुत निर्मम और निष्करुण है। संतोष की बात है कि हाशिए पर निरंतर धकेले जा रहे ऐसे वर्ग की दबी-दबी ही सही कुछ आवाजें, कविताओं में यदा-कदा सुनाई पड़ जाती हैं। युवा कवि शंकरानंद के नए कविता संग्रह 'नाखून में फंसी मिट्टी' की कविताओं को भी इस नजरिए से देखा जा सकता है। इन कविताओं में जीवन की त्रासदियों को वे बहुत सशक्तता से व्यक्त करते हैं। मिसाल के तौर पर गांव से शहर में विस्थापन की बाध्यता के दर्द को 'मेरे साथ गांव/सिर्फ परिचय में कागज पर है/ बस उतनी ही हैं

नाखून में फंसी मिट्टी

शंकरानंद

खाचरौद में पहुंचे स्वामी निजानंद महाराज के आश्रम

विशेष प्रतिनिधि ►► गोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर खाचरौद के ग्राम चिरोला फंटा में स्थित संत श्री निजानंद धाम आश्रम पहुंचे। आश्रम में मुख्यमंत्री ने पूजा-अर्चना कर श्री श्री 1008 सचिदानंद महाराज की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की। डॉ. यादव ने आश्रम स्थित शिव मंदिर में रुद्राभिषेक कर षोडशोपचार पूजन भी किया। उन्होंने संत श्री निजानंद महाराज के गादी पर पूजा-अर्चना कर आरती की। उपस्थित संतों का वन्दन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने आश्रम में प्रसादी ग्रहण की। डॉ यादव का श्री निजानंद धाम सेवा समिति द्वारा स्वागत सम्मान भी किया गया।

संतों के आशीर्वाद से मिलती है सद्कार्य की प्रेरणा और ऊर्जा: सीएम डॉ. यादव

श्री सचिदानंद महाराज की पुण्यतिथि पर अर्पित की पुष्पांजलि, की पूजा-अर्चना



विधि-विधान से पूजा करते सीएम।

सभी के कल्याण की मुख्यमंत्री ने की कामना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संत श्री निजानंद आश्रम पर आकर दर्शन पूजा की है। यह स्थान देश, प्रदेश और मालवा में स्नातन संस्कृति की ऐसी विभूतियों के अलौकिक आमा से परिचित कराता है। हम सब भी ऐसे संतों के आशीर्वाद से सद्कार्य की प्रेरणा पाते हैं। निजानंद महाराज के पश्चातवर्ती स्वामी सचिदानंद महाराज ने इस स्थान को चेतना देते हुए पूरे क्षेत्र को वैतन्य किया है। डॉ. यादव ने कहा कि हम सभी अपने कामों के साथ अपने संतों की मूल भावना सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सभी को लेकर चलने का जो कल्याण का भाव है, ये वेद वाक्य को अमरता के साथ धारण करते हुए हम सभी के कल्याण की कामना करें।

खाचरौद में बहनों ने बांधे रक्षा स्रूज

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को धार्मिक कार्यक्रम में सहभागी होने के लिए खाचरौद हेलीपैड पर पहुंचे। हेलीपैड पर नागदा निवासी माया तितलिया एवं मनीषा अखिलेश शर्मा ने मुख्यमंत्री को रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर राखी बांधकर शुभकामनाएं दीं। डॉ यादव ने आत्मीयता से बहनों का मुंह मीठा कराया और शुभकामनाएं दीं।

पहले दशविधि स्नान, फिर ब्राह्मणों ने बदले यज्ञोपवीत



भोपाल। श्रावण पूर्णिमा पर शीतलदास की बगिया व तालाब के अन्य घाटों आदि स्थानों पर बाहणों समेत कई अन्य समाजों के लोगों ने हेमाद्रि संकल्प के साथ नवीन यज्ञोपवीत धारण किया। इसी तरह ब्राह्मण एकता अस्मिता सहयोग एवं संस्कार मंच के तत्वावधान में ब्राह्मणों ने बड़ा तालाब स्थित शीतलदास की बगिया में पंचगव्या स्नान, उपाकर्म के बाद जनेऊ बदले, सूर्य की आराधना की। पंडित राकेश चतुर्वेदी ने बताया कि पंडित अनिल दुबे के आचार्यत्व में विधि-विधान से पूजन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। इसके बाद उपस्थित विप्र बंधुओं ने हेमाद्रि संकल्प लेकर शास्त्रोक्त विधि से दशविधि स्नान किया और पुराने यज्ञोपवीत का त्याग कर विधि-विधान से नवीन यज्ञोपवीत धारण किया। यज्ञोपवीत परिवर्तन केवल एक धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों, संस्कारों और वैदिक जीवन पद्धति के प्रति पुनः संकल्प लेने का अवसर है।

खबर संक्षेप

मां चामुण्डा दरबार में मनाया रक्षाबंधन पर्व



भोपाल। रक्षाबंधन के मौके पर शहर के मंदिरों में भी खास रौनक देखने को मिली। इसी के रहत मां चामुण्डा दरबार में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान को राखी बांधकर परिवार की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। तो वहीं पुजारी गुरु पंडित रामजीवन दुबे का आशीर्वाद लिया।

मप्र उर्दू अकादमी द्वारा उर्दू पांडुलिपियां आमंत्रित

भोपाल। मप्र उर्दू अकादमी संस्कृति परिषद के द्वारा वर्ष 26-27 में उर्दू पांडुलिपियों के प्रकाशन एवं प्रकाशन के लिए आर्थिक सहायता देने के लिए मध्यप्रदेश के साहित्यकारों/शायरों से अपनी उर्दू पांडुलिपियां 25 सितम्बर, 2026 तक कार्यालय मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, मुस्ली रामूजी संस्कृति भवन बाणगंगा रोड, भोपाल-462003 में जमा करनी होगी। पाण्डुलिपि के साथ मप्र के मूल निवासी होने का प्रमाण-पत्र संलग्न करना अनिवार्य है। जिन साहित्यकारों/शायरों की पुस्तकें अकादमी द्वारा प्रकाशित/आर्थिक

स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स द्वारा प्रोफेशनल एथिक्स पर विशेष सत्र आयोजित



नई दिल्ली। के.आर. मंगलम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स (एसएलओए) द्वारा 29 अगस्त 2026 को प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए "प्रोफेशनल एथिक्स (व्यावसायिक नैतिकता)" विषय पर एक ज्ञानवर्धक एवं संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्थागत आचार संहिता, अनुशासन, शैक्षणिक ईमानदारी, अधिकार एवं कर्तव्यों तथा पेशेवर जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना था। सत्र की संसाधन व्यक्ति डॉ. शिखा दत्त शर्मा, आईएचएससी कोऑर्डिनेटर रहें। उन्होंने विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं व्यावसायिक जीवन में नैतिक मूल्यों और जिम्मेदार आचरण के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि ईमानदारी, जवाबदेही, सम्मान, अनुशासन और जिम्मेदारी जैसे मूल्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ उनके भविष्य के पेशेवर जीवन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न उद्घाटनपूर्ण प्रश्नों एवं विचारों को साझा किया। कार्यक्रम का समन्वय सुश्री मुस्कान सेठी एवं डॉ. अमृता रत्नानी, फैकल्टी कोऑर्डिनेटर्स, स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स द्वारा किया गया। सत्र का समापन संसाधन व्यक्ति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया।

फल-फूल, बेलपत्र, दूध, धतूरा, गुलाल आदि से की पूजा

हरिभूमि न्यूज ►► गोपाल

रक्षाबंधन के शुभ संयोग के साथ सावन माह के अंतिम दिन शुक्रवार को राजधानी के शिव मंदिरों में सुबह से भी भगवान भोलेनाथ के दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। फल-फूल, बेलपत्र, दूध, धतूरा, गुलाल आदि से भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि की कामना की। शिव मंदिरों में सुबह से भक्तों की भीड़ लगने लगी, हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठे। बड़वाले महादेव मंदिर, तलेया मरघटिया महावीर आदि मंदिरों में भक्तों ने पूजा, पाठ कर भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया। बटेश्वर व मां गौरा को बंधी राखी, बाबा बटेश्वर व मां गौरा का दिव्य श्रृंगार कर रक्षाबंधन मनाया गया।

शहर के 200 पेट्रोल पंपों में से अधिकतर पंपों पर नागरिकों के लिए सुविधाएं नहीं

हरिभूमि न्यूज ►► गोपाल

शहर भर के 200 पेट्रोल पंपों में से अधिकतर पंपों पर बुनियादी सुविधाओं का टोटा बना हुआ है। अधिकतर पेट्रोल पंपों पर टॉयलेट में ताला डाला रहता है, जिसकी वजह से वाहन चालकों को आसपास सुलभ कॉम्प्लेक्स में जाना पड़ता है। इसी तरह पीने का पानी भी कहीं है, तो कहीं वाटर कूलर खाली पड़ा रहता है। हवा और फ्यूल रेट के बोर्ड भी पंपों से गायब हैं।

हरिभूमि की टीम ने शहर के दस प्रमुख पेट्रोल पंपों पर सुविधाओं को लेकर जायजा लिया। शहर के न्यू मार्केट चौराहा स्थित एचपी पेट्रोल पम्प में पेयजल व्यवस्था नहीं है, दिखाने के लिए शौचालय बनाया गया है। प्रबंधन ने टॉयलेट में ताला डाल रखा है। नानके पेट्रोल पंप पर भी महिला टॉयलेट में ताला लगा रहता है। बोर्ड ऑफिस चौराहा के प्राप्ति पेट्रोल पंप पर भी शौचालय और पानी की सुविधा नहीं है।

हवा और फ्यूल रेट का बोर्ड भी गायब, पंप पर सुविधाओं की कमी

पेट्रोल पंपों पर कहीं टॉयलेट नहीं, कहीं डाला ताला... पानी भी नहीं मिल रहा



न्यू मार्केट में एचपी पेट्रोल पंप स्थित टॉयलेट में ताला लगा है।

शिकायत रजिस्टर, फर्स्ट-एड बॉक्स गायब

शहर के पीएंडटी, नेहरू नगर, अरेरा हिल्स, अज्ना नगर, चिनार सिटी, 11 मील, अल्पना लिराहा, बिटुन मार्केट, न्यू मार्केट सहित

शहर के दर्जनभर से अधिक पेट्रोल पंप में पेट्रोल पंपों पर कॉलिंग, कलेन रजिस्टर और फर्स्ट-एड बॉक्स गायब मिले।

शौचालय में ताला लगा रहने से असुविधा होती है

न्यू मार्केट के एचपी पेट्रोल पंप के शौचालय में कई महिलाओं से ताला लगा होने से असुविधा होती है। कर्मचारियों से शौचालय का ताला खोलने की बोला गया, तो कर्मचारी इंडियन ऑयल वॉशरूम में भेज रहे हैं। विशेष यादव वाहन चालक

गाहक गंदा कर जाते हैं टॉयलेट

वाहन चालक टॉयलेट गंदा कर जाते हैं, जिसकी वजह से ताला डालकर रखा जाता है। ताला लगा होने से कम लोग टॉयलेट का उपयोग करते हैं।

रोहित बोहर, कर्मचारी

सुविधाओं को पूरा करने करेंगे जांच

पेट्रोल पंपों पर सुविधाओं को लेकर जांच चल रही है। जिन पंपों पर सुविधाओं का अभाव है, उन्हें पूरा कराया जाएगा। पंप संचालकों पर केस भी दर्ज किया जाएगा। संदीप भागवत, सहायक आपूर्ति अधिकारी

इन पेट्रोल पंपों पर भी कमियां

1 अरेरा हिल्स के हिन्दुस्तान पेट्रोलियम में फ्यूल डिजिटल साइन बोर्ड नहीं लगाया गया। यहां महिला और पुरुष के लिए एक ही टॉयलेट बनाया गया है।



पीएंडटी चौराहे के पंप पर एयर और वाटर मशीन बंद।

2 नेहरू नगर के पुलिस वेलफेयर इंडियन ऑयल में ईंधन का रेट डिस्प्ले नहीं किया जाता है और कर्मचारियों से शौचालय पछुने पर निगम के शौचालय में भेजा जा रहा है।

3 पीएंडटी चौराहे के एचपी पेट्रोल पंप में एयर और वाटर डिस्पेंसर मशीन बंद है। रेट फ्यूल डिजिटल साइन बोर्ड में नहीं है।

4 नेहरू नगर चौराहे में स्थित भारत पेट्रोलियम में कर्मचारियों ने पेयजल और शौचालय बंद होना बताया है।



नेहरू नगर में पंप पर डिस्प्ले बोर्ड बंद है।



न्यू मार्केट में पंप पर पेयजल नहीं।

शहर के मोतीसागर पारा क्षेत्र की घटना, पुलिस कर रही मामले की जांच युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, इलाके में मची सनसनी

हरिभूमि न्यूज ►► कोरबा

शहर के मोतीसागर पारा क्षेत्र में शनिवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई। 40 वर्षीय जगमोहन केवट ने अपने घर के अंदर कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की खबर मिलते ही बस्ती में सनसनी फैल गई और मृतक के घर के बाहर लोगों की भीड़ की जमा हो गई।

जानकारी के मुताबिक, मृतक जगमोहन केवट घूम-घूम कर भजिया-बड़ा बेचने का काम करता था। इसी से वह अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। वह शादीशुदा था और उसके दो बच्चे हैं। रोज की तरह शनिवार सुबह जब परिजनों ने उसे कमरे में देखा तो वह पंखे पर कपड़े के सहारे लटका हुआ था। परिजनों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना

पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा कार्रवाई की और परिजनों के बयान दर्ज किए। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। जगमोहन ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। घटनास्थल पर ऐसा कोई व्यक्ति नहीं मिला जो इसके पीछे की वजह बता सके। परिजन भी इस घटना से सदमे में हैं। पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। कोतवाली थाना पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। पारिवारिक विवाद, आर्थिक तंगी या अन्य कारणों को लेकर पुलिस परिजनों और पड़ोसियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

पंखे पर कपड़े के सहारे लटका दिखा

डेंगा नाला के पास महिला का शव पेड़ पर लटका मिला

गौरेला-पेंडा-मरवाही। जिले के मरवाही थाना क्षेत्र के कटरा इलाके में शनिवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब धनुहारी टोला में डेंगा नाला के पास एक महिला का शव पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका मिला। सुबह-सुबह शव दिखाई देने के बाद आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना मिलते ही मरवाही पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। मृतका की पहचान समरी बाई धनुहार, पति मोहन सिंह के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार महिला शराब का सेवन करती थी। परिजनो के मुताबिक वह शुक्रवार रात अचानक घर से बाहर चली गई थी। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिवार वालों को चिंता हुई, लेकिन उन्होंने सोचा कि वह आसपास किसी परिचित के यहां गई होगी। शनिवार सुबह तक महिला के घर नहीं लौटने पर परिजनो और ग्रामीणों ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान धनुहारी टोला के पास डेंगा नाला क्षेत्र में लोगों की नजर पेड़ से लटक महिला के शव पर पड़ी। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

बन गई दुनिया की 'पहली सोलर एम्बुलेंस'



नई दिल्ली। अफ्रीका के लोगों को ने ऐसी एम्बुलेंस बनाई है कि मरीजों को अस्पताल नहीं जाना होगा, बल्कि अस्पताल उनके पास आएगा। नीदरलैंड के 23 छात्रों की कड़ी मेहनत से बनी एम्बुलेंस अब यहां के लोगों के लिए वरदान साबित होगी। अफ्रीका के कुछ इलाकों में आज भी लाखों लोग ऐसे हैं, जिन्हें अस्पताल पहुंचने के लिए घंटों का सफर तय करना पड़ता है। बिजली की कमी के कारण वहां के कई छोटे स्वास्थ्य केंद्रों में जरूरी दवायें और मेडिकल उपकरण काम नहीं कर पाते हैं। नीदरलैंड के छात्रों की ओर से स्टेल जूवा नाम की एक ऐसी गाड़ी बनाई है, जिसे दुनिया की पहली सोलर एम्बुलेंस कहा जा रहा है। यह आम एम्बुलेंस की तरह सिर्फ मरीजों को

दोने का काम नहीं करती, बल्कि खुद एक चलता-फिरता अस्पताल है। इस गाड़ी की छत पर लगे सोलर पैनल इसे चलते समय भी चार्ज करते रहते हैं, जब यह रुकती है, तो इसके पैनल पखों की तरह फैल जाते हैं और धूप से दोगुनी या चारगुनी स्टेशन की नहीं जरूरतसेला जूवा में एक्स-रे मशीन, अल्ट्रासाउंड और वैकसीन को ठंडा रखने के लिए फ्रिज जैसी मेडिकल सुविधाएं मौजूद हैं। सबसे खास बात यह है कि इन उपकरणों को चलाने के लिए वाहन को फ्यूल या चार्जिंग स्टेशन पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। यानी जहां बिजली की लाइन नहीं पहुंची, वहां सूरज की रोशनी ही इस मोबाइल क्लीनिक की बिजली बन सकती है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी)/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवारद किया गया है कि अभियुक्त सोनू पुत्र वेलु, निवासी मकान नंबर 206, ग्राउंड फ्लोर, जी-1st मदनगिरि डॉ. अंबेडकर नगर, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 530/2021 धारा 356/379/34 भा.द.स. थाना शाहबाद डेरी, दिल्ली के अश्वीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह की की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त सोनू मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त सोनू फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इरा के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त सोनू, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 530/2021 धारा 356/379/34 भा.द.स. थाना शाहबाद डेरी, दिल्ली न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवारद का उत्तर देने के लिए दिनांक 06.10.2026 को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
सुश्री भारती बेनीवाल
न्यायिक मैजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-05
उत्तर, कोर्ट रूम नंबर 114, पहली मंज़िल
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/12172/ON/2026



पीपल चौराहा हनुमान मंदिर।

बहनों को पीछे लिए उपहार

सेवा संकल्प युवा संगठन के द्वारा रक्षा बंधन पर्व पर बहनों को उपहार के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के पौधों की भी उपहार के रूप में दिए गए। बहनों से पौधा रोपण और उनकी रक्षा का संकल्प दिलाया। संगठन के अध्यक्ष प्रकाश मालवीय ने बताया कि पर्यावरण का संदेश देने के लिए 44 बहनों को पौधों का उपहार दिया गया।

हिमालय पर बढ़ता दबाव आपदाओं को आमंत्रण दे रहा है। जलवायु परिवर्तन ने इस आग में घी का काम किया है। लगातार बढ़ते वैश्विक तापमान की वजह से ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघल रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने से पहाड़ों के ऊपर बर्फ की झीलों में पानी का दबाव अचानक बढ़ जाता है। जब ये प्राकृतिक झीलें टूटती हैं तो नीचे की घाटियों में तबाही का भयानक मंजर देखने को मिलता है। कमी पहाड़ों पर विनाशकारी भूस्खलन, कमी मैदानी इलाकों में भयानक बाढ़, कमी आग उगलती गर्म हवाएं और कमी अकाल जैसा सूखा; यह सब भीतर तक डराने वाला है। यदि प्राकृतिक जल निकासी और वर्षाजल प्रबंधन विकास की गति के साथ नहीं चलते, तो महंगा बुनियादी ढांचा भी बारिश के सामने असहाय दिखाई दे सकता है। हिमालयी शहरों में मैदानों के शहरी विकास मॉडल को ज्यों का त्यों लागू नहीं किया जा सकता। पहाड़ों की अपनी भूगर्भीय और पारिस्थितिक सीमाएं हैं। अनियंत्रित निर्माण, बढ़ता यातायात और प्राकृतिक ढलानों पर दबाव आपदा के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। पहाड़ों के लिए विकास का एक अलग मॉडल बनाने की सख्त जरूरत है। पर्यटन को भी तुरंत नियंत्रित करने की आवश्यकता है ताकि पहाड़ों पर उतनी ही भीड़ जाए, जितनी वह आसानी से सहन कर सके। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

फड़फड़ाने लगा है भोले का तीसरा नेत्र



विश्लेषण

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

हिमालय साफ-साफ चेतावनी दे रहा है कि अगर हमने विकास के नाम पर उसकी अस्मिता से, उसकी पहचान से छेड़छाड़ बंद नहीं की तो पूरे पश्चिेश के लिए भयावह त्रासदियों से नुवित का प्रश्न ही नहीं उठता। पुल बनाने, रेल मार्ग बिछाने, पर्यटन के नए-नए आयाम एवं नई-नई संभावनाएं तलाश करने के लोभ में हमने निरंतर हिमालय की पहचान पर संकट खड़े किए हैं। चीन को सीमा क्षेत्रों में नए रेलमार्ग बिछाने, नए पुल बनाने, हवाई पट्टियां बनाने की कोई विशेष आवश्यकता नहीं थी। सिर्फ सीमा-सुरक्षा के नाम पर पहाड़ों को घाव देने की कोई ऐसी जरूरत नहीं थी जिसके लिए डायनामाइट एवं बारूदी सुरंगों का सामना करने के लिए उसी क्षेत्र में सड़कों, नाल व अन्य यातायात साधनों के जाल बिछाने की आपातकालीन जरूरत हमें भी महसूस होने लगी। स्थितियां इतनी भयावह हो चुकी हैं कि तथ्यों का सही-सही आकलन कर पाना भी संभव नहीं रहा। चेतावनियां पिछले साढ़े तीन दशकों से चेता रही हैं। वर्ष 1998 में उत्तराखण्ड के मालया क्षेत्र में हुई तबाही, वर्ष 2000 में तिब्बत में आई विनाशकारी बाढ़, वर्ष 2005 में पाश्च-नदी की विभीषिका, जून 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2021 की चमोली त्रासदी, इन सबकी खुली अपेक्षा करते हुए चीन, नेपाल, भारत और तिब्बत आदि में बड़ी-बड़ी योजनाएं बनती रही। अब नई सूचना यह है कि 189 नई झीलें बन चुकी हैं। स्थिति यह है कि अब तिब्बत-नेपाल क्षेत्रों में सैकड़ों की संख्या में झीलें बन चुकी हैं। सभी में ग्लेशियरों के पिछलाव का जल ठाठें मारने लगा है। एक झील में आए प्रकोप ने इतना हिला दिया तो आने वाले ऐसे अनेक संकटों का सामना कैसे होगा, इसके लिए सांझा प्रयास करने के दिशा में सोचा भी नहीं जा रहा है। अभी तो लाशें ढोने, घायलों को बचाने, लापता लोगों की तलाश करने से भी फुर्सत नहीं मिल पा रही।

विकास की अंधी दौड़

जब अमरनाथ का शिवलिंग पिघलने लगा तो कैलाश पर विराजमान भोले शंकर का भी तीसरा नेत्र फड़फड़ाने लगा, इशर नेआल में विराजे भोले पाशुपतिनाथ भी नाराज होने लगे। सवाल यह है कि इस प्रकोप से बचा कैसे जाए? हिमालय केवल पत्थरों और बर्फ से बना कोई निर्जाल ढांचा नहीं है, बल्कि यह इस उपमहाद्वीप की धड़कन है। सदियों से यह हमारा रक्षक रहा है, जीवनदायिनी नदियों का उद्गम और हमारी आस्थाओं का केंद्र रहा है।आज आए दिन पहाड़ों के दरकों, बाढ़ल फटने, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ की खबरें हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन गई हैं। प्रकृति का यह रौद्र रूप अकारण नहीं है। सच तो यह है कि हमने अपने ही रक्षक पर इतना भार लाद दिया है कि अब वह हांपने लगा है। हिमालय पर बढ़ता यह दबाव अब सीधे तौर पर विनाशकारी आपदाओं को आमंत्रण दे रहा है। अगर हम गहराई से सोचें तो समझ आएगा कि पहाड़ों के साथ हमारा रिश्ता अब श्रद्धा का नहीं बल्कि उपभोग का हो गया है। विकास की अंधी दौड़ में हमने यह श्रुता दिया कि हिमालय दुनिया की सबसे युवा पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। जब हम इन नाजूक पहाड़ों का सीना चौकर चौड़ी सड़कों बनाते हैं, रेलवे के लिए लंबी सुरंगें खोदते हैं और बिजली के लिए विशालकाय बांध बनाते हैं तो हम अनजाने में पहाड़ की नींव को खोखला कर रहे होते हैं।

इंसानों ने रची यह त्रासदी

डायनामाइट के धमाके सिर्फ चट्टानों को नहीं तोड़ते बल्कि वे पहाड़ के उस प्राकृतिक संतुलन को भी कमजोर कर देते हैं जो लाखों सालों की खामोशी में बना है। पहाड़ों के सीने में सुराख करके जो मलबा निकाला जाता है, उसे अक्सर बिना किसी योजना के नदियों के किनारे डाल दिया जाता है। बरसात के दिनों में यही मलबा नदियों के प्रवाह को रोकता है और फिर नदियां अपना रास्ता बदलकर बस्तिरों की ओर रुख कर लेती हैं। यह कोई प्राकृतिक आपदा नहीं है, यह पूरी तरह से इंसानों द्वारा रची गई एक त्रासदी है जिसमें हमने खुद ही विनाश के बीज बोए हैं। इसके साथ ही पर्यटन के नाम पर जो भीड़ हम पहाड़ों की तरफ धकेल रहे हैं, वह भी इस समस्या का एक बहुत बड़ा कारण है। छुट्टियां मगाने के लिए पहाड़ों का रुख करना कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन हर जगह की अपनी एक वहन क्षमता होती है जिसे हम 'केरिंग कैपेसिटी' कहते हैं। आज पहाड़ों के छोटे-छोटे कस्बों में कंक्रीट के विशाल होटलों का जंगल उग आया है। जहां कभी ढलान पर देवदार और बुरांश के पेड़ हुआ करते थे, वहां आज बहुमंजिला इमारतें खड़ी हैं। ये भारी भरकम इमारतें पहाड़ की ढलान पर एक ऐसा बोझ हैं जिसे उठाने के लिए वह बना ही नहीं है। इसके अलावा पर्यटकों की भीड़ अपने साथ जो प्रदूषण और प्लास्टिक का कचरा लाती है, वह नदियों और प्राकृतिक जल स्रोतों का गला घोट

हिमालय के पिघलते ग्लेशियर

रहा है। जलवायु परिवर्तन ने इस आग में घी का काम किया है। लगातार बढ़ते वैश्विक तापमान की वजह से हिमालय के ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघल रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने से पहाड़ों के ऊपर बर्फ की झीलों में पानी का दबाव अचानक बढ़ जाता है। जब ये प्राकृतिक झीलें टूटती हैं तो नीचे की घाटियों में तबाही का ऐसा मंजर देखने को मिलता है जिसकी कल्पना भी इंसान की रूढ़ कंपा देती है। बारिश के पैटर्न में भी भयानक बदलाव आया है। अब हफ्तों तक निमग्न बारिश होने के बजाय कुछ ही घंटों में इतना पानी बरस जाता है कि पहाड़ उसे सोख नहीं पाते और मिट्टी कटकर नीचे बहने लगती है। यही वजह है कि बाढ़ल फटने और अचानक भयानक बाढ़ आने की घटनाएं आम हो गई हैं। जोशीमठ जैसी घटनाएं कोई अचानक हुआ हादसा नहीं थी बल्कि ये दशकों से पहाड़ों पर किए जा रहे अत्याचार का दुःख परिणाम हैं। जब जमीन धसती है, पुराने घरों में दरारें आती हैं और लोगों को अपने पुरखों के घर छोड़कर रातों-रात राहत शिविरों में जाना पड़ता है तो वह सिर्फ एक भौगोलिक घटना नहीं होती। वह एक गहरा मानवीय संकट होता है। लोग अपनी आंखों के सामने अपनी जीवन भर की पूंजी, अपनी यादें और अपना भविष्य मिटते हुए देखते हैं। पहाड़ों में रहने वाले सीधे-सादे लोग विकास की इस मगमांनी कीमत को सबसे ज्यादा चुका रहे हैं।

पर्यावरण के अनुकूल तकनीक अपनाएं



मंथन

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

वरिष्ठ स्तंभकार

प्रकृति और मनुष्य का रिश्ता सदियों पुराना है, किंतु समय के साथ मनुष्य की बदलती जीवन शैली से बदली प्राकृतिक परिस्थितियों से यह रिश्ता एक नाजूक मोड़ पर आकर खड़ा हो गया है। आज मानव और प्रकृति दोनों का ही अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। पिछले कुछ वर्षों में हमने अनेक भयानक प्राकृतिक आपदाओं का सामना किया है। कभी पहाड़ों पर विनाशकारी भूस्खलन, कभी मैदानी इलाकों में भयानक बाढ़, कभी आग उगलती गर्म हवाएं और कभी अकाल जैसा सूखा; यह सब भीतर तक डराने वाला है। यह कोई कुदरती कहर नहीं है बल्कि प्रकृति की गंभीर चेतावनी है जो हमें चीख-चीख कर कह रही है कि अब रुक जाओ! इन बढ़ती आपदाओं के पीछे का सबसे बड़ा कारण हमारा अंधा और अनियंत्रित विकास है, जिसने पर्यावरण की कीमत पर सिर्फ कंक्रीट के जंगल खड़े किए हैं। आज समूची मानव जाति के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर विकास और पर्यावरण के बीच एक स्थायी संतुलन कैसे कायम किया जाए।

हम समय के पहिए को नहीं रोक सकते और न ही विकास की प्रक्रिया से मुंह मोड़ सकते हैं। बढ़ती आबादी के लिए घर, स्कूल, अस्पताल, चौड़ी सड़कें और रोजगार के नए साधन मुहैया कराना किसी भी सरकार और समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जब हम विकास की अंधी दौड़ में पहाड़ों को डायनामाइट से उड़ाकर सड़कें बनाते हैं, नदियों के स्वाभाविक रास्तों को रोककर ऊंचे बांध बनाते हैं या हरे-भरे जंगलों को रातों-रात साफ करके कारखाने लगाते हैं तो हम अनजाने में ही अपने विनाश की कहानी लिख रहे होते हैं। विकास का मतलब कभी भी विनाश नहीं हो सकता। हम एक पेड़ काटते हैं तो सिर्फ लकड़ी का एक टुकड़ा नहीं गिरता, बल्कि बेजुबान पक्षियों का घर उजड़ता है, शीतल छांव खत्म होती है और वह जड़ें मर जाती हैं जो मिट्टी को कसकर बांधे रखती हैं। परिणामस्वरूप जरा-सी



हमें एक ऐसा मार्ग खोजना है, जहां नदियां भी अपने स्वच्छ स्वरूप में बहें और कल-कारखाने भी चलें, जहां पहाड़ भी अपनी जगह अडिग रहें और उन तक पहुंचने के सुरक्षित रास्ते भी बनें, जहां सुबह चिड़ियों की चहचहाहट भी गुंजे और तकनीक का सकारात्मक इस्तेमाल भी हो।

इसे विज्ञान की भाषा में पर्यावरण की वहन क्षमता कहते हैं। अगर किसी पहाड़ या जंगल की क्षमता सी लोगों का बोझ उठाने की है और हम अपने लालच में वहां हजार लोगों के लिए बड़े-बड़े होटल और सड़कें बना दें तो कुदरत का संतुलन बिगड़ना और आपदा आना तय है। हमें पर्यावरण के अनुकूल तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए। उदाहरणतया, भवन निर्माण में ऐसी सामग्री का उपयोग हो जो कम से कम कार्बन उत्सर्जन करे और ऊर्जा की अधिकतम बचत करे। हमें कोयले और पेट्रोलियम जैसे जीवाश्म ईंधनों पर अपनी निर्भरता तेजी से कम करनी

वास्तव में उस जमीन और प्रकृति के सबसे करीब रहते हैं। हमें एक ऐसा मार्ग खोजना है जहां नदियां भी अपने स्वच्छ स्वरूप में बहें और कल-कारखाने भी चलें, जहां पहाड़ भी अपनी जगह अडिग रहें और उन तक पहुंचने के सुरक्षित रास्ते भी बनें, जहां सुबह चिड़ियों की चहचहाहट भी गुंजे और तकनीक का सकारात्मक इस्तेमाल भी हो। अगर अब भी हमने प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाना जीना नहीं सीखा तो आने वाले समय में प्राकृतिक आपदाएं हमारा वो सब कुछ नर्दयता से छीन लेंगी जिसे हमने विकास के नाम पर बड़े अहंकार से खड़ा किया है।



स्वरूप

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

शहर केवल इमारतों, सड़कों और बाजारों का समूह नहीं होते, वे किसी देश की आर्थिक गति, सामाजिक परिवर्तन और आधुनिक जीवन की आकांक्षाओं के केंद्र होते हैं। रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बेहतर सुविधाओं की तलाश में निरंतर बढ़ती आबादी शहरों की ओर आकर्षित हो रही है। परिणामस्वरूप शहरीकरण आज विकास की स्वाभाविक प्रक्रिया बन चुका है। समस्या शहरीकरण से नहीं, बल्कि अनियोजित और प्रकृति-विरोधी शहरीकरण से है। जब शहर अपनी भौगोलिक और पर्यावरणीय क्षमता की अनदेखी कर फैलने लगते हैं, जलाशयों पर निर्माण होने लगता है, हरित क्षेत्र कंक्रीट में बदल जाते हैं और आबादी के अनुपात में नागरिक सुविधाएं विकसित नहीं होतीं, तब विकास स्वयं संकट का कारण बनने लगता है। भारत के कई बड़े शहर इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। देश के प्रमुख कॉरपोरेट केंद्रों में गिना जाने वाला गुरुग्राम अत्याधुनिक कार्यालयों, गगनचुंबी इमारतों और एक्सप्रेस-वे के कारण आधुनिक शहरी विकास का चेहरा दिखा रहा है, लेकिन भारी वर्षा के दौरान सड़कों और अंदरपासों में जलभराव उसकी दूसरी तस्वीर प्रस्तुत करता है। यह विरोधाभास बताता है कि चमकदार निर्माण और वास्तविक शहरी मजबूती दो अलग-अलग बातें हैं। यदि प्राकृतिक जल निकासी और वर्षाजल प्रबंधन विकास की गति के साथ नहीं चलते, तो महंगा बुनियादी ढांचा भी बारिश के सामने असहाय दिखाई दे सकता है। यही स्थिति अलग-अलग रूपों में दूसरे महानगरों में भी सामने आती रही है। मुंबई ने बार-बार भीषण वर्षा और शहरी बाढ़ का सामना किया है। समुद्र तटीय स्थिति, अत्यधिक वर्षा और घनी आबादी के साथ प्राकृतिक जल निकासी तंत्र पर दबाव इस महानगर की संवेदनशीलता बढ़ाता है। इन उदाहरणों का अर्थ यह नहीं कि प्रत्येक शहरी बाढ़ केवल अतिक्रमण या खराब नियोजन का परिणाम

है। जलवायु परिवर्तन के कारण कम अवधि में अत्यधिक वर्षा जैसी घटनाओं की चुनौती भी बढ़ रही है। यही नई जलवायु वास्तविकता शहरों से अधिक मजबूत नियोजन की मांग करती है। यदि बारिश का स्वरूप बदल रहा है तो दशकों पुराने वर्षाजल निकासी मानकों के भरोसे भ्रंशव्य के शहर नहीं चलाए जा सकते। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली इस चुनौती का एक दूसरा पक्ष दिखाती है। एक ओर मानसून में जलभराव और यमुना के बढ़ते जलस्तर से बाढ़ का खतरा सामने आता है, तो दूसरी ओर गर्मियों में अत्यधिक तापमान और

ने पहाड़ी क्षेत्रों में निर्माण, भूगर्भीय संवेदनशीलता और विकास की वहन क्षमता को लेकर व्यापक बहस को जन्म दिया। हिमालयी शहरों में मैदानों के शहरी विकास मॉडल को ज्यों का त्यों लागू नहीं किया जा सकता। पहाड़ों की अपनी भूगर्भीय और पारिस्थितिक सीमाएं हैं। अनियंत्रित निर्माण, बढ़ता यातायात और प्राकृतिक ढलानों पर दबाव आपदा के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। इन समस्याओं का समाधान विकास रोकना नहीं, बल्कि विकास को अधिक समझदार बनाना है। सबसे पहले शहरी मास्टर प्लान में जलवायु परिवर्तन और आपदा



विकास की असली कसौटी गगनचुंबी इमारतों की ऊंचाई नहीं, बल्कि यह होगी कि शहर असाधारण बारिश, बाढ़, भीषण गर्मी और अन्य आपदाओं के बीच अपने नागरिकों को कितना सुरक्षित रख पाता है। शहर यदि प्रकृति के साथ विकसित होंगे, तभी शहरीकरण वास्तव में सतत विकास का माध्यम

होत वेव गंभीर संकट बन जाती है। अर्थात एक ही शहर को बाढ़ और भीषण गर्मी दो विपरीत प्रकार की जलवायु आपदाओं के लिए तैयार रहना पड़ सकता है। इसलिए अब शहरी आपदा प्रबंधन किसी एक संभावित संकट के आधार पर नहीं, बल्कि बहु-आपदा दृष्टिकोण से तैयार किया जाना चाहिए। बढ़ता शहरी तापमान स्वयं एक गंभीर चुनौती है। हरित क्षेत्रों में गिरावट, एयर कंडीशनरों का बढ़ता इस्तेमाल और वाहनों तथा उद्योगों से निकलने वाली ऊष्मा स्थिति को और गंभीर बनाती है। पहाड़ी शहरों की चुनौती इससे अलग, लेकिन उतनी ही गंभीर है। जोशीमठ में भू-ध्ंसाव

जोखिम को केंद्रीय स्थान देना होगा। भविष्य में आवश्यकता ऐसे शहर बनाने की है जो केवल बड़े और आधुनिक न दिखें, बल्कि सुरक्षित, समावेशी, पर्यावरण-संवेदी और आपदा-रोधी भी हों। विकास की असली कसौटी गगनचुंबी इमारतों की ऊंचाई नहीं, बल्कि यह होगी कि शहर असाधारण बारिश, बाढ़, भीषण गर्मी और अन्य आपदाओं के बीच अपने नागरिकों को कितना सुरक्षित रख पाता है। शहर यदि प्रकृति के विरुद्ध नहीं, प्रकृति के साथ विकसित होंगे, तभी शहरीकरण वास्तव में सतत विकास का माध्यम बन सकेगा।

प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर चलना जरूरी



चुनौती

डॉ. विजेंद्र कुमार

स्वतंत्र

जलवायु परिवर्तन की समस्या एक गंभीर वैश्विक संकट है। यह संकट अभी हमें चाने ना दिखाई दे लेकिन मानव सभ्यता के लिए यह एक गंभीर चुनौती है। प्रकृति हमेशा से मनुष्य की सबसे अच्छी मित्र और पालक रही है, लेकिन हाल के वर्षों में हमने इसका रौद्र रूप भी बार-बार देखा है। कभी जंगलों में धक्कती आग बेजुबान जानवरों को लील जाती है तो कभी समुद्र में उठने वाले भयंकर तूफान पल भर में तटीय बस्तिरों को उजाड़ देते हैं। यह सब देखकर मन में एक सहज या सवाल उठता है कि क्या यह सब बस यूं ही हो रहा है या इसके पीछे हमारी अपनी कोई भूल है। इससे भी बड़ा यह सवाल मन में बार-बार उठता है कि क्या जलवायु परिवर्तन आने वाले समय में हमारे लिए इससे भी बड़ी और भयंकर विपत्तियां ला सकता है। इस सवाल का जवाब ढूँढने के लिए हमें भविष्य के किसी वैज्ञानिक मॉडल को देखने या बहुत दूर जाने की जरूरत नहीं है। हमारे आसपास का बदलता हुआ मौसम खुद इसका जीता जागता गवाह है। जिस जलवायु परिवर्तन को हम कुछ दशक पहले सिर्फ विज्ञान की भारी-भरकम किताबों या वैश्विक सम्मेलनों का विषय मानते थे, वह आज हमारे घर के दरवाजे तक दस्तक दे चुका है। बेमौसम की भारी बारिश, सदियों के महानों में कम होती ठंड, और गर्मियों में झूलसा देने वाली लंबी लू, ये सब प्रकृति की खुली चेतावनी हैं। जब कोई आपदा आती है तो वह सिर्फ ईंट-पत्थर की इमारतें या कंक्रीट के पुल नहीं तोड़ती, बल्कि वह इंसानों के संजोए हुए सपने, उनकी जीवन भर की गाढ़ी कमाई और उनके बच्चों का भविष्य भी उजाड़ देती है। वैज्ञानिक लगातार पूरी दुनिया को चेता रहे हैं कि पृथ्वी का तापमान जिस तेजी से बढ़ रहा है, वह बहुत ही अस्वाभाविक और खतरनाक है। हमारे द्वारा किए जा रहे अंधाधुंध औद्योगीकरण, बेतहाशा जंगलों की कटाई, ग्लेशियरों के सीने को चीरकर किए जा रहे अनियोजित निर्माण और लगातार बढ़ते कार्बन उत्सर्जन ने धरती को प्राकृतिक संतुलन को बुरी तरह से बिगाड़ दिया है। अगर यही स्थिति बनी रही तो इसमें कोई संदेह नहीं कि आने वाला समय वाकई बहुत डरावना होगा। जैसे-जैसे पृथ्वी और गर्म होगी, ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघलेंगे और समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा। इसका सीधा मतलब यह है कि दुनिया भर के कई तटीय शहर, महानगर और छोटे-छोटे द्वीप हमेशा के लिए पानी में समा सकते हैं। जरा सोचिए, जब लाखों करोड़ों लोग एक साथ बेघर होंगे तो उन्हें हम कहां बसाएंगे। आने वाले समय में प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता और उनकी संख्या दोनों में बेतहाशा वृद्धि होने की पूरी आशंका है। जो चकवती तूफान पहले दस या बीस सालों में एक बार आते थे, वे अब हर साल और भी ज्यादा ताकतवर होकर रातों से टकरा सकते हैं। ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने के कारण शुरुआत में तो नदियों में भयानक बाढ़ आएगी, जो अपने रास्ते में आने वाले हर गांव और शहर को डुबा देंगी, लेकिन बाद में जल वे बर्फ के पहाड़ रीं तरह खत्म हो जाएंगे तो वही सडानीरा नदियां सूख जाएंगी। इससे पीने के पानी और सिंचाई के लिए एक ऐसा भयंकर संकट खड़ा होगा जिसकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। जलवायु परिवर्तन केवल एक पर्यावरण का या विज्ञान का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह एक बहुत बड़ा मानवीय, सामाजिक और आर्थिक संकट है। जब एक जगह का तापमान बढ़ता है तो उसका असर पूरी दुनिया के मौसम चक्र पर पड़ता है। यह एक भयंकर चेन रिएक्शन की तरह है। जंगलों में लगने वाली भीषण आग की घटनाएं इसका एक बड़ा उदाहरण हैं। जब जंगल जलते हैं तो न सिर्फ लाखों बेजुबान जानवर तड़प-तड़प कर मर जाते हैं, पेड़-पौधों की दुर्लभ प्रजातियां नष्ट हो जाती हैं, बल्कि भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड वायुस वातावरण में घुल जाती है, जो धरती की गर्मी को और ज्यादा बढ़ा देती है। इसी तरह, आर्कटिक जैसे ठंडे इलाकों में सदियों से जमी हुई बर्फ के पिघलने से वहां बची हुई मीथेन जैसी खतरनाक गैसें बाहर आ सकती हैं। अगर ऐसा हुआ तो ग्लोबल वार्मिंग इतनी तेजी से बढ़ेगी कि उसे रोकना फिर इंसान की तकनीक और वश के बाहर हो जाएगा। हमारे देश के लिए तो यह खतरा और भी बड़ा है। एक तरफ हमारे पास विशाल हिमालय है तो दूसरी तरफ एक बहुत लंबी तटरेखा। अगर जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून का चक्र इसी तरह बिगड़ता है, कभी बहुत ज्यादा बारिश या कभी बिफुल सूखा पड़ा तो हमारी खाद्य सुरक्षा पर सीधा प्रहार होगा। पहाड़ जो कभी अपनी स्थिरता के लिए जाने जाते थे, वे आज दरक रहे हैं। हमने अपने स्वार्थ में अंधी दौड़ लगाते हुए प्रकृति को बहुत गहरे घाव दिए हैं, लेकिन प्रकृति एक मां की तरह है, जिसमें खुद को और अपने बच्चों को ठीक करने की अद्भुत क्षमता होती है, बशर्ते हम उसे ऐसा करने का मौका और समय दें। हमें एक ऐसा रास्ता चुनना होगा जिसमें तरक्की तो हो, लेकिन जंगलों और नदियों की बलि देकर नहीं। जलवायु परिवर्तन कोई ऐसी आसमानी आपदा नहीं है जो किसी दूसरे जगह से अचानक हमारे ऊपर आ गिरी हो। यह हमारी अपनी पैदा की हुई विपत्ति है। इसलिए इसका समाधान भी हमें ही करना होगा। हम आज जाग जाएं, अपने लालच को किनारे रखकर प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर चलना सीख लें तो शायद हम अपनी आने वाली

सोनिया की आत्मकथा ‘बिलॉनिंग’ पर छिड़ा सियासी संग्राम

एजेसी►►नई दिल्ली

कांग्रेस नेताओं ने दावा किया है कि पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया पर सोनिया गांधी के संस्मरण को प्रकाशित नहीं करने के लिए दबाव डाला गया है।

इस आरोप के बाद सत्तारूढ़ भाजपा और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि वह सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉनिंग: ए जर्नी ऑफ लव' का



पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया थी प्रकाशक

प्रकाशक नहीं है। यह बयान अमेरिकी प्रकाशक अल्फ्रेड ए. नॉफ की ओर से कियाब को 10 नवंबर को प्रकाशित करने की घोषणा के कुछ दिनों बाद आया।

प्रकाशक ने कहा कि लेखकों की सामग्री को तथ्य-जांच करना उसका अधिकार और जिम्मेदारी है। यह बयान उन खबरों के बीच आया, जिनमें कहा गया था कि सोनिया गांधी द्वारा संपादकीय बदलावों को स्वीकार नहीं किए जाने के बाद प्रमुख प्रकाशक ने किताब प्रकाशित करने का फैसला वापस ले लिया।

कांग्रेस ने साधा भाजपा आरएसएस पर निशाना कांग्रेस के लोकसभा में उपनेता गौरव गोगोई ने पेंगुइन इंडिया के बयान की आलोचना की और इसे कमजोर बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, यह किटना कमजोर बयान है।

पेंगुइन इंडिया 'एवजान वॉरियर्स' और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर कई किताबें प्रकाशित करने में पूरी तरह खुश है। इसमें कोई संदेह नहीं कि भाजपा सरकार में ऐसे लोग हैं, जो अब डर गए हैं कि भारत के लोग इस किताब को पढ़ेंगे।

भाजपा ने कहा यह संस्मरण है या उसका सियासीकरण: नकवी पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने सोनिया गांधी की किताब पर जारी विवाद पर कहा कि यह लेखक और प्रकाशक के बीच का मामला है। वे तय करेंगे कि यह संस्मरण है या उसका सियासीकरण है।

नकवी ने कहा कि यह सोनिया गांधी का संस्मरण है या कल्पना है, ये तो लेखक और प्रकाशक के बीच की बात है।

कांग्रेस के ये प्रयास पाखंड से भरे: केसवन भाजपा ने कहा कि कांग्रेस नेता संस्मरण को लेकर 'डर की झूठी कहानी' गढ़ने और एक गलत धारणा बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने कहा कि कांग्रेस के ये प्रयास सिर्फ विडंबना से ही नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से पाखंड से भी भरे हैं।

छापने से पहले बदलाव की क्या जरूरत: गहलोत कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया से पूछा कि जब उसकी अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन इकाई इस संस्मरण को दुनिया भर में प्रकाशित कर रही है तो भारत में इसे प्रकाशित करने से उसे क्या रोक रहा है?पेंगुइन किताब को उसके मूल रूप में पूरी दुनिया में प्रकाशित करने के लिए तैयार है, लेकिन वह इसे भारत में प्रकाशित करने से पहले बदलाव चाहता है।

क्या वजह है उसे भारत में प्रकाशित नहीं किया जा सकता/किताब को दबाव में दबाना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की हत्या के समान है।

विपक्ष ने भी किया कांग्रेस का समर्थन आत्मकथा को लेकर हुए विवाद पर सीपीआई सांसद पी. संदीप कुमार ने कहा, लेखिका को अपने मन की बात लिखने का पूरा अधिकार है, और यह एक तरह की आत्मकथा ही है। इसमें से कुछ अंश हटाने का कोई मतलब नहीं है। इसके पीछे क्या तर्क है? इसलिए हम इसका विरोध करते हैं। कई प्रकाशक हैं, और मुझे उम्मीद है कि उनमें से कुछ इसे जल्द ही प्रकाशित करेंगे।

बंबई उच्च न्यायालय ने कहा मामले में हद पार कर दी और मनमानी कार्रवाई की

कोर्ट की लगी फटकार तो एफडीए ने वापस लिया सिप्ला के बिक्री लाइसेंस का रद्दीकरण



एजेसी►►मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय की फटकार के बाद महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने सिप्ला फार्मा एंड लाइफ साइंसेज लिमिटेड की पुणे स्थित कैरी एंड फॉरवर्डिंग इकाई का दवा बिक्री लाइसेंस निरस्त करने का आदेश शनिवार को वापस ले लिया।

अदालत ने नियामक से कहा कि उसने मामले में हद पार कर दी और मनमाने तरीके से कार्रवाई की। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति गौतम अंखड़ की पीठ ने कहा कि एफडीए की कार्रवाई 'प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों' के खिलाफ है।

एफडीए ने कहा कि वह लाइसेंस रद्द करने का आदेश तत्काल वापस लेगा और कंपनी को नया कारण बताओ नोटिस जारी करेगा। इसके तहत नती नोटिस कारणों सहित नया आदेश पारित किया जाएगा।

◀ एफडीए ने कहा- कंपनी को नया कारण बताओ नोटिस जारी करेगा



सिप्ला फार्मा ने दी थी चुनौती

एफडीए ने पुणे के वाडकी स्थित सिप्ला फार्मा एंड लाइफ साइंसेज लिमिटेड की दवाओं के भंडारण और वितरण सुविधा का दवा बिक्री लाइसेंस 27 अगस्त से रद्द कर दिया था। ये कार्रवाई 'रिएक्टिव प्लस' टेबलेट की पैकेजिंग, स्टोरेज और वापसी से जुड़े आरोपों में की गई थी।

विभाग ने 27 अगस्त को की थी कार्रवाई

एफडीए ने पुणे के वाडकी स्थित सिप्ला फार्मा की दवाओं के भंडारण एवं वितरण का लाइसेंस 27 अगस्त से रद्द कर दिया था। यह कार्रवाई रिएक्टिव प्लस टेबलेट की पैकेजिंग, भंडारण और वापसी से जुड़ी अनियमितताओं के आरोपों के बाद की गई थी। इस संबंध में दवा कंपनी ने कहा था कि उसने कार्रवाई को हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

एफडीए की कार्रवाई सिद्धांतों के खिलाफ

एक्टिंग चीफ जस्टिस रवींद्र घुगे और जस्टिस गौतम अंखड़ की बेंच ने कहा कि एफडीए की कार्रवाई प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। एफडीए ने कहा कि वो लाइसेंस रद्द करने का आदेश तत्काल वापस लेगा और कंपनी को नया कारण बताओ नोटिस जारी करेगा।

बॉम्बे हाई कोर्ट की बड़ी टिप्पणी फूड लाइसेंस निलंबन: तुम खुद को भगवान समझते हो?

बॉम्बे हाईकोर्ट ने एफडीए को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने अधिकारियों को अवमानना की कार्रवाई की चेतावनी भी दी। मामला मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन परिसर में मौजूद पांच रेस्टोरेंट के फूड लाइसेंस निलंबित करने से जुड़ा है। अदालत ने कहा कि विभाग को बार-बार फटकार लगाते-लगाते अब वह थक चुका है। कोर्ट ने एफडीए के रवैये को व्यावहारिक के बजाय नियमों को लेकर ज़रूरत से ज्यादा कठोर बताया। एफडीए ने कथित स्वच्छता संबंधी खामियों और थर्ड पार्टी



ऑपरेशन से जुड़े मुद्दों को लाइसेंस निलंबित कर दिखे थे। कोर्ट के निर्देश के बाद गुरुवार को इन रेस्टोरेंट का नया निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण में रेस्टोरेंट 88 फीसदी तक

हाईकोर्ट के आदेश का उल्लंघन किया, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी के छात्र संगठन तुणमूल छात्र परिषद के आयोजकों के खिलाफ हेस्टिंग्स थाने में मामला दर्ज किया गया है। यह मामला 28 अगस्त को संगठन के स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के कथित उल्लंघन को लेकर दर्ज किया गया है। कार्यक्रम में शामिल समर्थकों ने कथित तौर पर बैरिकेड हटा दिए और पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की। इसके अलावा कैथेड्रल रोड पर यातायात भी बाधित हुआ। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि कार्यक्रम अदालत की ओर से तय समय सीमा खत्म होने के बाद भी जारी रहा। मामला भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 61(2), 223, 125(ए), 132 और 285 के तहत दर्ज किया गया है।

ममता ने 28 अगस्त को समर्थकों से राजनीतिक दबाव को नहीं झुकने और भाजपा में शामिल नहीं होने की अपील की। उन्होंने अपनी पार्टी की छात्र इकाई तुणमूल कांग्रेस छात्र परिषद के स्थापना दिवस कार्यक्रम में कहा था कि उनकी पार्टी जल्द ही सत्ता में वापस आएगी और एक नया राजनीतिक इतिहास लिखेगी। मैं अपने साथियों से कहती हूँ कि मजबूत और निडर बने रहें। जरूरत पड़े तो एक महीने तक जेल का खाना खाएं।

मुख्यमंत्री सैनी ने की मेवात विकास बोर्ड की 32वीं बैठक में की विकास कार्यों की समीक्षा

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को जिला मुख्यालय नूंह स्थित लघु सचिवालय में आयोजित मेवात विकास बोर्ड की 32वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि नूंह जिला अब युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार का बड़ा केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी पहल पर नूंह को आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एक्सपेरेशनल डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम) में शामिल किया गया, जिसके तहत नीति आयोग द्वारा अब तक 36.20 करोड़ रुपये की लागत के 12 प्रोजेक्ट मंजूर किए जा चुके हैं।

सैनी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, सिंचाई, सीवेज, साइबर सुरक्षा सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से मंथन किया गया। बैठक में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए वार्षिक कार्य योजना के तहत करीब 30 करोड़ 43 लाख 79 हजार रकम बजट को मंजूरी प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि जिला नूंह में शिक्षा के क्षेत्र के विकास



के लिए करीब 10.06 करोड़ के विकास कार्यों को मंजूरी दी गई है। इसके तहत राजकीय स्कूलों में इयूल डेस्क उपलब्ध करवाने, 20 राजकीय स्कूलों में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित लैब स्थापित करने, छात्रवृत्ति योजनाओं तथा विद्यार्थियों को कोचिंग उपलब्ध करवाने सहित विभिन्न कार्य कराए जाएंगे। सामाजिक दांचागत विकास के तहत पिनगवां में स्टेडियम के नवीनीकरण तथा नूंह के पुराने कोर्ट परिसर में पब्लिक पार्क विकसित करने संबंधी कार्यों पर करीब 4 करोड़ 50 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। कोशल विकास के लिए 87 लाख रुपये तथा पशुपालन एवं कृषि क्षेत्र से संबंधित विकास कार्यों के लिए 1.50 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी। खेल संरचना को मजबूत

करने के लिए जिला खेल स्टेडियम में स्वीमिंग पूल तथा 200 मीटर सिंथेटिक ट्रैक विकसित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। वन, रेत वाटर हार्वीरिंग एवं मृदा संरक्षण से संबंधित विभिन्न कार्यों के लिए करीब 5.42 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी प्रदान की गई है।

सैनी ने कहा कि साइबर अपराध की रोकथाम के लिए 1.16 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक साइबर फॉरेंसिक लैब स्थापित करने के प्रस्ताव को भी बोर्ड के समक्ष रखा गया है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध की जड़ पर प्रभावी ढंग से प्रहार करने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी स्वीकृत विकास कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाएं। विकास समझौता नहीं किया जाएगा तथा कार्यों में देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेवात क्षेत्र के युवाओं को सरकारी नौकरी की तैयारी के लिए मुफ्त कोचिंग उपलब्ध कराई जाएगी। इसके तहत स्टाफ सिलेक्शन कमीशन, रेलवे भर्ती बोर्ड, हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन,

सीईटी तथा बैंकिंग परीक्षाओं की तैयारी करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि मेवात छात्रवृत्ति, पीएट मैट्रिक छात्रवृत्ति तथा छात्र प्रतिभा सम्मान योजना के तहत अब तक हजारों विद्यार्थियों को करोड़ों रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि नूंह शहर की सीवर लाइन क्षमता में सुधार के लिए ट्रेंचलेस तकनीक से करीब 2900 मीटर लंबी बाईपास सीवर लाइन बिछाई जाएगी। यह सीवर लाइन नए वाईएमडी कॉलेज गेट से मेवली मोड़, शहीदी पार्क होते हुए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) तक जाएगी। इससे सिटी हॉस्पिटल कॉलोनी, मेडिकल रोड कॉलोनी, हिदायत कॉलोनी, बघेल मोहल्ला, नई सब्जी मंडी, पुरानी अनाज मंडी और बिन्तू कॉलोनी सहित करीब एक दर्जन कॉलोनियों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। इस अवसर पर विकास एवं पंचायत मंत्री कुण लाल पंवार, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, विधायक तेजपाल तंवर, विधायक मोहम्मद इसराईल, विधायक आफताब अहमद, विधायक मामन खान सहित गणमान्य उपस्थित थे।

नेपाल में भीषण बाढ़ पर खरगे ने शाह को लिखा पत्र, एनडीआरएफ की टीमों भेजने की मांग

हरिभूमि ब्यूरो►►नई दिल्ली

नेपाल में भीषण बाढ़ और मानवीय संकट के बीच कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर नेपाल को तत्काल और व्यापक मानवीय एवं आपदा राहत सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। खरगे ने विशेष रूप से प्रभावित क्षेत्रों में एनडीआरएफ की टीमों भेजने पर विचार करने का आग्रह किया है। खरगे ने कहा कि नेपाल इस समय गंभीर प्राकृतिक आपदा से जूझ रहा है। हाल में आई विनाशकारी बाढ़ के कारण बड़ी संख्या में लोगों की जान गई है, घरों और बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा है तथा असंख्य लोग विस्थापित होकर बेहद कठिन परिस्थितियों में रहने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि इस त्रासदी ने प्रभावित समुदायों को अत्यंत संकट और पीड़ा की स्थिति में पहुंचा दिया है।

हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएं: भारत-नेपाल के गहरे संबंधों का हवाला देते हुए खरगे ने कहा कि भारत और नेपाल की जनता के बीच लंबे समय से गहरे और शायदी संबंध रहे हैं। ऐसे मुश्किल समय में भारत को अपने पड़ोसी देश के साथ मजबूती से खड़ा होना चाहिए और इस प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करानी चाहिए। उन्होंने कहा जहां आवश्यकता हो, वहां नेपाल सरकार के साथ समन्वय करते हुए एनडीआरएफ की टीमों को प्रभावित इलाकों में भेजने पर विचार करना चाहिए।

एनडीआरएफ की टीम नेपाल भेजे: खरगे ने कहा कि एनडीआरएफ को प्राकृतिक आपदाओं से निपटने, बचाव अभियान चलाने और मुश्किल परिस्थितियों में राहत पहुंचाने का व्यापक अनुभव है। ऐसे में उसकी विशेषज्ञता नेपाल में फसे और प्रभावित लोगों को बचाने, उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने तथा तत्काल राहत उपलब्ध कराने में अहम

भूमिका निभा सकती है। एनडीआरएफ की प्रशिक्षित टीमें प्रभावित क्षेत्रों में खोज एवं बचाव, लोगों को सुरक्षित निकालने और राहत अभियान में स्थानीय प्रशासन की मदद कर सकती हैं। गंभीर परिस्थितियों में विशेषज्ञ बचाव दलों की मदद से राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी बनाया जा सकता है।

सभी जरूरी कदम उठाएं: कांग्रेस अध्यक्ष ने गृह मंत्रालय से इस पूरे मामले को आवश्यक गंभीरता, संवेदनशीलता और तत्परता के साथ देखने की अपील की। उन्होंने कहा कि नेपाल में बाढ़ से प्रभावित लोगों को भारत की ओर से सहायता पहुंचाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए। खरगे ने अंत में उम्मीद जताई कि गृह मंत्रालय नेपाल में हुए तत्काल कार्रवाई करेगा और बाढ़ प्रभावित लोगों तक भारत की सहायता पहुंचाने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

सहायता पहले ही जा रही:नेपाल सरकार ने

विदेशी देशों की सर्च-एंड-रेस्क्यू टीमों को नेपाल आने की अनुमति देने से इनकार किया था। भारत, चीन, अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया, श्रीलंका और बांग्लादेश समेत कई देशों ने विशेषज्ञ बचाव टीमों भेजने की पेशकश की थी। नेपाल का कहना था, नेपाली सेना और सुरक्षा एजेंसियां बचाव अभियान संचालने में सक्षम हैं। नेपाल ने राहत सामग्री, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहयोग के लिए रास्ता खुला रखा था। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने बाद में स्पष्ट रूप से कहा कि यह कहना गलत है कि नेपाल ने अंतरराष्ट्रीय सहायता को पूरी तरह खारिज कर दिया है। नेपाल का रुख शनिवार और स्पष्ट हो गया है। नेपाल ने भारत-चीन से विशेषीकृत तकनीकी रेस्क्यू सहायता मांगी है, जबकि विदेशी सर्च-एंड-रेस्क्यू टीमों को लेकर शुरुआती आपत्ति अलग थी। नेपाल अब तकनीकी क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय मदद मांग रहा। भारत-चीन ने विशेषज्ञ सहायता उपलब्ध कराई है।

यात्रीगण कृपया ध्यान दें !

महत्वपूर्ण सूचना

विशेष रेलगाड़ियों की परिव्यालन अवधि में विस्तार

सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों की परिचालन अवधि को निम्नानुसार बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:—

रेलगाड़ी संख्या	स्टेशन		आवृत्ति/चलने के दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	विस्तारित अवधि		फेरे
	से	तक			से	तक	
04123	प्रयागराज जं.	हज़रत निज़ामुद्दीन	बुधवार एवं रविवार	30.08.26	02.09.26	29.11.26	26
04124	हज़रत निज़ामुद्दीन	प्रयागराज जं.	गुरुवार एवं सोमवार	31.08.26	03.09.26	30.11.26	26
09309	इन्दौर जं.	हज़रत निज़ामुद्दीन	शुक्रवार एवं रविवार	30.08.26	04.09.26	27.11.26	25
09310	हज़रत निज़ामुद्दीन	इन्दौर जं.	सोमवार एवं शनिवार	31.08.26	05.09.26	28.11.26	25
09257	भावनगर टर्मिनस	शकूर बस्ती	शुक्रवार	31.07.26	16.10.26	27.11.26	07
09258	शकूर बस्ती	भावनगर टर्मिनस	शनिवार	01.08.26	17.10.26	28.11.26	07
09195	प्रतापनगर	मऊ जं.	शनिवार	26.09.26	03.10.26	28.11.26	09
09196	(बाया वाराणसी) मऊ जं.	प्रतापनगर	रविवार	27.09.26	04.10.26	29.11.26	09
09203	वैरावल जं.	हरिद्वार	मंगलवार	28.07.26	20.10.26	24.11.26	06
09204	हरिद्वार	वैरावल जं.	बुधवार	29.07.26	21.10.26	25.11.26	06
09065	सुरत	छपरा जं.	मंगलवार	29.09.26	06.10.26	24.11.26	08
09066	(बाया वाराणसी) छपरा जं.	सुरत	बुधवार	30.09.26	07.10.26	25.11.26	08
09451	गांधीधाम जं.	भागलपुर जं.	शुक्रवार	28.08.26	04.09.26	27.11.26	13
09452	(बाया वाराणसी) भागलपुर जं.	गांधीधाम जं.	सोमवार	31.08.26	07.09.26	30.11.26	13
09523	ओखा	शकूर बस्ती	मंगलवार	28.07.26	20.10.26	24.11.26	06
09524	शकूर बस्ती	ओखा	बुधवार	29.07.26	21.10.26	25.11.26	06
09425	साबरमती	हरिद्वार	सोमवार	27.07.26	19.10.26	23.11.26	06
09426	हरिद्वार	साबरमती	मंगलवार	28.07.26	20.10.26	24.11.26	06
04811	बाड़मेर	हरिद्वार	सोमवार, गुरुवार	27.08.26	31.08.26	30.11.26	27
04812	हरिद्वार	बाड़मेर	मंगलवार, शुक्रवार	28.08.26	01.09.26	01.12.26	27
09611	अजमेर जं.	योग नगरी ऋषिकेश	बुधवार	30.09.26	14.10.26	25.11.26	07
09612	योग नगरी ऋषिकेश	अजमेर जं.	गुरुवार	01.10.26	15.10.26	26.11.26	07
09639	मदार जं.	रोहतक जं.	प्रतिदिन	15.07.26	14.10.26	30.11.26	48
09640	रोहतक जं.	मदार जं.	प्रतिदिन	15.07.26	14.10.26	30.11.26	48

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी अन्य जानकारी जैसे मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट <https://enquiry.indianrail.gov.in> अथवा NTES App देखें ।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

पर हमें फालो करें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

डायरेक्ट या रेगुलर : बाजार में पैसा लगाने से पहले अपना लक्ष्य तय करें

निवेश से पहले समझें कौन सा प्लान सबसे बेहतर

दोनों प्लान में निवेश एक ही फंड और लगभग समान पोर्टफोलियो में होता है ■ खर्च, एनएवी और लंबी अवधि के रिटर्न में आ सकता है अंतर ■ निवेशक अपनी रिस्क क्षमता और जरूरत के आधार पर लें फैसला

म्यूचुअल फंड निवेश में एक्सपेंस रेटियो का महत्व इसलिए बढ़ जाता है, क्योंकि निवेश लंबे समय के लिए किया जाता है। यदि दो समान योजनाओं में से एक में खर्च लगातार थोड़ा अधिक है, तो कई वर्षों में इसका असर निवेश के कुल मूल्य पर पड़ सकता है। इसीलिए निवेशक को केवल पिछले रिटर्न को देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। उसे एक्सपेंस रेटियो, फंड का प्रदर्शन, जोखिम, निवेश का उद्देश्य और अपने निवेश की अवधि जैसे पहलुओं को भी देखना चाहिए।

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश का फैसला करते समय केवल यह देखना पर्याप्त नहीं है कि कौन सा फंड अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। निवेशक को यह भी समझना चाहिए कि वह डायरेक्ट प्लान में निवेश कर रहा है या रेगुलर प्लान में। दोनों विकल्पों में आमतौर पर एक ही म्यूचुअल फंड स्कीम और एक ही फंड मैनेजर के जरिए निवेश किया जाता है, लेकिन दोनों की लागत संरचना अलग होती है। यही अंतर लंबी अवधि में निवेश के रिटर्न पर असर डाल सकता है। निवेशक के लिए सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर डायरेक्ट प्लान और रेगुलर प्लान में अंतर क्या है और इनमें से कौन सा विकल्प उसके लिए बेहतर है। इसका जवाब हर निवेशक के लिए एक जैसा नहीं हो सकता। यदि निवेशक खुद फंड की रिसर्च कर सकता है और अपने पोर्टफोलियो को संभालने में सक्षम है तो डायरेक्ट प्लान कम लागत वाला विकल्प हो सकता है। वहीं नए या ऐसे निवेशक जिन्हें फंड चुनने और निवेश प्रबंधन में मदद चाहिए, उनके लिए रेगुलर प्लान उपयोगी हो सकता है।



रेगुलर प्लान में मिलती है डिस्ट्रीब्यूटर की मदद

रेगुलर प्लान में निवेशक म्यूचुअल फंड कंपनी यानी एएससी तक सीधे नहीं पहुंचता। वह बैंक, म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर, ब्रोकर या वित्तीय सलाहकार के माध्यम से निवेश करता है। निवेश प्रक्रिया पूरी करने के साथ-साथ डिस्ट्रीब्यूटर निवेशक को फंड चुनने, कागजी प्रक्रिया और निवेश से जुड़ी दूसरी सेवाओं में मदद कर सकता है। इस सेवा की लागत भी होती है। म्यूचुअल फंड कंपनी डिस्ट्रीब्यूटर को कमीशन देती है और यह खर्च फंड के एक्सपेंस रेटियो में शामिल होता है। इसलिए आमतौर पर रेगुलर प्लान का एक्सपेंस रेटियो उसी स्कीम के डायरेक्ट प्लान की तुलना में अधिक होता है।

डायरेक्ट प्लान में नहीं होता डिस्ट्रीब्यूटर कमीशन

डायरेक्ट प्लान में निवेशक किसी डिस्ट्रीब्यूटर के माध्यम से निवेश करने के बजाय सीधे एएससी से निवेश करता है। इसमें डिस्ट्रीब्यूटर को कमीशन नहीं देना पड़ता। इसी कारण डायरेक्ट प्लान का एक्सपेंस रेटियो आमतौर पर रेगुलर प्लान से कम होता है। कम खर्च का फायदा लंबी अवधि में दिखाई दे सकता है। चूंकि निवेश की लागत कम रहती है, इसलिए बाकी परिस्थितियां समान रहने पर डायरेक्ट प्लान का नेट रिटर्न रेगुलर प्लान से थोड़ा अधिक हो सकता है। हालांकि यह समझना जरूरी है कि डायरेक्ट प्लान का मतलब कम जोखिम नहीं है। बाजार में उतार-चढ़ाव और फंड से जुड़े जोखिम दोनों प्लान में बने रहते हैं।

एनएवी भी होता है अलग

कई निवेशक यह मान लेते हैं कि जब स्कीम और फंड मैनेजर एक ही हैं तो डायरेक्ट प्लान और रेगुलर प्लान का एनएवी भी समान होना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं है। दोनों प्लान के खर्च अलग होने के कारण इनके एनएवी में भी अंतर हो सकता है। रेगुलर प्लान में डिस्ट्रीब्यूटर से जुड़ी लागत शामिल होती है, जबकि डायरेक्ट प्लान में यह लागत नहीं होती। इसी वजह से समय के साथ दोनों प्लान के एनएवी और निवेशक के अंतिम रिटर्न में अंतर पैदा हो सकता है। यह अंतर किसी अलग निवेश रणनीति के कारण नहीं, बल्कि मुख्य रूप से दोनों प्लान की लागत संरचना के कारण होता है।

किसके लिए बेहतर

डायरेक्ट प्लानउन निवेशकों के लिए अधिक उपयुक्त हो सकता है जिन्हें म्यूचुअल फंड की पर्याप्त जानकारी है। ऐसे निवेशक खुद अलग-अलग फंड की तुलना कर सकते हैं, जोखिम समझ सकते हैं और अपने पोर्टफोलियो की समय-समय पर समीक्षा कर सकते हैं। यदि निवेशक को पता है कि उसे किस श्रेणी के फंड में निवेश करना है और वह अपने निवेश संबंधी फैसले खुद लेने में सहज है, तो कम एक्सपेंस रेटियो वाला डायरेक्ट प्लान उसके लिए लागत के लिहाज से आकर्षक हो सकता है। लेकिन केवल कम खर्च देखकर डायरेक्ट प्लान चुनना सही रणनीति नहीं है।

किसके लिए रेगुलर प्लान उपयोगी ?

- रेगुलर प्लान ऐसे निवेशकों के लिए उपयोगी हो सकता है जिन्हें निवेश की जानकारी सीमित है या जो फंड चुनने और पोर्टफोलियो संभालने में विशेषज्ञ की मदद चाहते हैं।
- नए निवेशक के लिए कई बार सही फंड चुनना, जोखिम का आकलन करना, निवेश की अवधि तय करना और पोर्टफोलियो में बदलाव करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसे में डिस्ट्रीब्यूटर की सहायता सुविधा प्रदान कर सकती है। हालांकि निवेशक को यह भी समझना चाहिए कि इस सुविधा की लागत फंड के खर्च में शामिल होती है।

फैसला करने से पहले इन बातों पर दें ध्यान

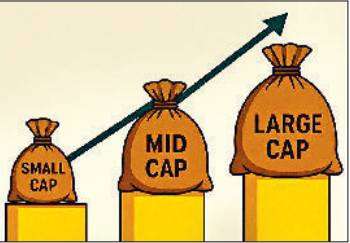
डायरेक्ट प्लानया रेगुलर प्लान चुनने से पहले निवेशक को अपनी वित्तीय स्थिति और जानकारी का आकलन करना चाहिए। केवल यह सोचकर डायरेक्ट प्लान चुनना उचित नहीं है कि उसका एक्सपेंस रेटियो कम है। इसी तरह केवल सुविधा के लिए रेगुलर प्लान लेना भी जरूरी नहीं है। निवेशक को यह देखना चाहिए कि वह कितने समय के लिए निवेश कर रहा है, कितना जोखिम उठा सकता है, फंड की लागत कितनी है और क्या वह अपने निवेश की गिरावनी खुद कर सकता है।

निवेश का फैसला जल्दबाजी में न करें

डायरेक्ट प्लान और रेगुलर प्लान के बीच चुनाव व्यक्तिगत जरूरत पर निर्भर करता है। डायरेक्ट प्लान में कम लागत का फायदा मिल सकता है, जबकि रेगुलर प्लान में डिस्ट्रीब्यूटर की सहायता और सुविधा मिलती है। दोनों में निवेश का बाजार जोखिम बना रहता है। इसलिए निवेश करने से पहले केवल प्लान का नाम देखकर फैसला न करें। फंड के उद्देश्य, जोखिम, एक्सपेंस रेटियो, पिछला प्रदर्शन, निवेश अवधि और अपनी वित्तीय जरूरतों को समझना जरूरी है। जरूरत पड़ने पर योग्य वित्तीय सलाहकार से सलाह लेकर ही निवेश का निर्णय लेना बेहतर है।

5,000 की एसआईपी

लार्ज, मिड या स्मॉल कैप कहां बनेगा बड़ा फंड



बिजनेस डेस्क

हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी शुरू करने वाले निवेशक के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि पैसा लार्ज, मिड या स्मॉल कैप फंड में लगाया जाए। तीनों कैटेगरी में जोखिम और रिटर्न की संभावना अलग होती है। इसलिए केवल पिछले एक साल के रिटर्न को देखकर फैसला करना सही रणनीति नहीं है। इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश का फायदा तभी बेहतर तरीके से मिल सकता है, जब निवेशक लंबी अवधि तक बाजार में बना रहे और उतार-चढ़ाव के दौरान घबराकर एसआईपी बंद न करे। पहले समझिए तीनों कैटेगरी में अंतर

स्मॉल कैप फंड में छोटी कंपनियों में निवेश किया जाता है। इनमें से कुछ कंपनियां भविष्य में बड़ी कंपनियां बन सकती हैं और शानदार रिटर्न दे सकती हैं। लेकिन हर स्मॉल कैप कंपनी सफल हो, यह फंड नहीं है। बाजार में तेजी के दौरान स्मॉल कैप फंड तेज रफ्तार से बढ़ सकते हैं, लेकिन गिरावट में नुकसान भी ज्यादा हो सकता है। इसलिए जिस रकम की अगले कुछ वर्षों में जरूरत पड़ सकती है, उसे स्मॉल कैपमें लगाने से बचना बेहतर है। पांच साल बाद घर खरीदने या किसी बड़े खर्च के लिए पैसा चाहिए तो उस लक्ष्य के लिए पैसा फंड सुरक्षित या जोखिम-मुक्त है। शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आने पर इनमें भी नुकसान हो सकता है। मिड कैप कंपनियां आकार में लार्ज कैप से छोटी होती हैं, लेकिन इनमें कारोबार तेजी से बढ़ाने की संभावना हो सकती है। इसी वजह से इनके शेयरों में उतार-चढ़ाव भी अधिक हो सकता है।

पहली बार निवेश कर रहे हैं तो लार्ज कैप पर विचार

अगर कोई निवेशक पहली बार इक्विटी म्यूचुअल फंड में एसआईपी शुरू कर रहा है और बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं चाहता, तो लार्ज कैप फंड अपेक्षाकृत आसान शुरुआत हो सकते हैं। बड़ी कंपनियों के पास आज तैर पर लंबा कारोबारी ट्रैक रिकॉर्ड और मजबूत कारोबार होता है। फिर भी निवेशक को यह समझना चाहिए कि लार्ज कैप का मतलब गारंटीड रिटर्न नहीं है। बाजार में 15-20% की गिरावट आती है तो लार्ज फंड भी नीचे जा सकते हैं। अंतर केवल इतना है कि मिड कैप और स्मॉल कैप की तुलना में उतार-चढ़ाव कई बार कम हो सकता है।

15 साल में 9 लाख का निवेश कितना होगा

5,000 रुपये की मासिक एसआईपी 15 साल तक जारी रखने पर कुल निवेश 9 लाख रुपये होगा। उदाहरण के लिए, पिछले 15 वर्षों के औसत सालाना रिटर्न को आधार मानकर लार्ज कैप के लिए करीब 11.9%, मिड कैप के लिए 17.2% और स्मॉल कैप के लिए करीब 14.7% रिटर्न माना जाए, तो अलग-अलग कैटेगरी में निवेश से रकम अलग बन सकती है। उपरोक्त अनुपात में 2,500 लार्ज कैप, 1,500 मिड कैप और 1,000 रुपये स्मॉल कैप में लगाने पर ऐतिहासिक औसत रिटर्न को सिर्फ उदाहरण के तौर पर इस्तेमाल करने पर 15 साल में करीब 28.7 लाख का फंड बन सकता है। इसमें लगभग 9 लाख मूल निवेश और करीब 19.7 लाख का अनुमानित लाभ शामिल होगा। हालांकि यह सिर्फ गणितीय अनुमान है। बाजार का वास्तविक रिटर्न हर साल अलग हो सकता है और भविष्य में यही रिटर्न दोहराया जाएगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है।

समय से पहले एफडी तोड़ रहे हैं तो रखें ध्यान, वरना नुकसान

पैसों की जरूरत में एफडी बंद करना जरूरी नहीं, घटेगी ब्याज की रकम

बैंक की सावधि जमा यानी एफडी को सुरक्षित निवेश का साधन माना जाता है। यही वजह है कि बड़ी संख्या में लोग अपनी बचत को निश्चित अवधि के लिए एफडी में जमा करते हैं। लेकिन कई बार अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाती है और निवेशक को एफडी की अवधि पूरी होने से पहले ही रकम निकालने का फैसला करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में एफडी को समय से पहले बंद करना संभव है, लेकिन इसके कुछ आर्थिक नुकसान भी हो सकते हैं। एफडी शुरू करते समय बैंक एक निश्चित अवधि और ब्याज दर तय करता है। यदि निवेशक उस अवधि के पूरा होने से पहले एफडी बंद करता है तो जरूरी नहीं कि उसे शुरुआत में तय ब्याज दर का पूरा लाभ मिले। बैंक के नियमों के अनुसार ब्याज में कटौती की जा सकती है और कुछ मामलों में समय से पहले एफडी बंद करने का शुल्क भी लगाया जा सकता है। इसलिए जल्दबाजी में एफडी तोड़ने के बजाय पहले इन पांच जरूरी बातों को समझ लेना चाहिए।

- समय से पहले एफडी बंद करने पर लग सकता है शुल्क सबसे पहले अपने बैंक के नियमों की जानकारी लें। एफडी की तय अवधि पूरी होने से पहले पैसा निकालने पर बैंक समयपूर्व निकासी शुल्क या जुर्माना लगा सकता है। यह शुल्क बैंक, एफडी की अवधि और जमा की गई रकम के अनुसार अलग-अलग हो सकता है। इसलिए एफडी बंद करने से पहले बैंक से यह जरूर पता करें कि शुल्क के रूप में कितनी रकम काटी जाएगी और एफडी बंद करने के बाद आपके खाते में वास्तविक रूप से कितनी राशि आएगी।

समझदारी

बिजनेस डेस्क

2. पूरा ब्याज नहीं मिल सकता

समय से पहले एफडी बंद करने का सबसे बड़ा असर मिलने वाले ब्याज पर पड़ सकता है। एफडी बनते समय जिस ब्याज दर का निर्धारण किया गया था, जरूरी नहीं कि समय से पहले एफडी बंद करने पर उसी दर से ब्याज मिले। बैंक आमतौर पर उस अवधि के आधार पर ब्याज की गणना कर सकता है, जितने समय तक रकम वास्तव में एफडी में जमा रही। इसके अलावा समयपूर्व निकासी का शुल्क भी लगाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, यदि आपने पांच साल के लिए एफडी कराई थी, लेकिन दो साल बाद ही उसे बंद कर दिया, तो आपको पांच साल की तय ब्याज दर का पूरा लाभ नहीं मिल सकता।

3. ब्याज पर लगने वाले कर को भी समझें

एफडी से मिलने वाला ब्याज आपको आय का हिस्सा माना जाता है और उस पर लागू आयकर नियमों के अनुसार कर देनापारी बन सकती है। इसलिए समय से पहले एफडी बंद करने का फैसला करते समय केवल शुल्क और ब्याज में होने वाले नुकसान पर ही ध्यान न दें। यह भी देखें कि एफडी से अब तक कितना ब्याज अर्जित हुआ है और उस पर आपको कर देनापारी कितनी बन सकती है। अलग-अलग निवेशकों की कर स्थिति अलग हो सकती है।



4. एफडी तोड़ने के बजाय उसके बदले कर्ज ले सकते हैं

अगर आपको थोड़े समय के लिए पैसों की जरूरत है तो पूरी एफडी बंद करना हमेशा जरूरी नहीं है। अपने बैंक से यह पता किया जा सकता है कि एफडी के बदले कर्ज या अधिविकर्स की सुविधा उपलब्ध है या नहीं। इस व्यवस्था में एफडी को जारी रखते हुए उसकी जमानत के आधार पर जरूरत के रकम प्राप्त की जा सकती है। इससे एफडी पूरी तरह बंद करने से होने वाले ब्याज के नुकसान से बचने का मौका मिल सकता है। हालांकि, इस विकल्प में बैंक कर्ज पर ब्याज और अन्य शुल्क ले सकता है।

5. पूरी एफडी तोड़ने के बजाय आंशिक निकासी देखें

अगर आपको एफडी में जमा पूरी रकम की जरूरत नहीं है तो पहले यह पता करें कि आपको

बैंक आंशिक निकासी की सुविधा देता है या नहीं। मान लीजिए आपको एफडी में पांच लाख रुपये जमा हैं और आपको केवल दो लाख रुपये की जरूरत है। ऐसी स्थिति में यदि बैंक आंशिक निकासी की सुविधा देता है तो पूरी एफडी बंद करने के बजाय जरूरत के मुताबिक रकम निकाली जा सकती है। इससे बची हुई रकम एफडी में बनी रह सकती है और उस पर आगे ब्याज मिलता रह सकता है। हालांकि, आंशिक निकासी के नियम और ब्याज की गणना बैंक के अनुसार अलग हो सकती है। इसलिए यह सुविधा उपलब्ध है या नहीं और इसका आपको एफडी पर क्या असर पड़ेगा, इसकी जानकारी पहले बैंक से लेनी चाहिए।

जरूरत पर लें एफडी तोड़ने का फैसला एफडी को समय से पहले बंद करना जरूरत की स्थिति में उपयोगी हो सकता है, लेकिन इसे सावधान्य स्थिति में पहला विकल्प नहीं माना जाना चाहिए। यदि पैसों की जरूरत कम अवधि के लिए है तो पहले आंशिक निकासी, एफडी के बदले कर्ज या अधिविकर्स जैसे विकल्पों की जानकारी लेना बेहतर हो सकता है। एफडी बंद करने से पहले बैंक से मिलने वाली वास्तविक रकम, ब्याज की गणना, समयपूर्व निकासी शुल्क और कर देनापारी की जानकारी जरूर लें। इसके बाद ही तय करें कि एफडी तोड़ना आपके लिए आर्थिक रूप से सही फैसला है या नहीं। निवेश संबंधी सावधानी: एफडी से जुड़े नियम और शुल्क बैंक के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं। एफडी बंद करने से पहले संबंधित बैंक की शर्तों और लागू कर नियमों की जानकारी जरूर लें।

प्रसंस्करण शुल्क की जानकारी पहले लें किस्त लेने से पहले बैंक या वित्तीय संस्था से यह जरूर पूछें कि प्रसंस्करण शुल्क कितना है। यह एक निश्चित रकम हो सकती है या खरीदारी की रकम के आधार पर तय हो सकती है। इस पर लागू कर की जानकारी भी लें। कुछ बैंकों की 2026 की शर्तों में किस्त सुविधा पर न्यूनतम रकम या लेनदेन के प्रतिशत के आधार पर प्रसंस्करण शुल्क निर्धारित है। इसलिए हर 'नो-कॉस्ट' प्रस्ताव की वास्तविक लागत अलग हो सकती है।

त्योहार में छूट देखकर बजट न बिगाड़ें त्योहारी ऑफर का फायदा उठाना मालत नहीं है, लेकिन छूट का मतलब बचत तभी है जब खरीदारी आपके बजट के भीतर हो। खरीदारी की रकम पहले से तय करें और उसी सीमा में सामान खरीदें। अगर कोई सामान जरूरत का है और उस पर वास्तविक छूट मिल रही है, किस्त की कुल लागत स्पष्ट है और मासिक भुगतान आसानी से किया जा सकता है तो प्रस्ताव पर विचार किया जा सकता है। केवल 'आज का ऑफर', 'सीमित समय की छूट' या 'बिना ब्याज की किस्त' देखकर ज्यादा खर्च करना आर्थिक दबाव बढ़ाता है।

खरीदारी से पहले ये पांच चीजें जरूर जांचें

- पहला, सामान की नकद कीमत और किस्त में कुल भुगतान कितना है।
- दूसरा, तत्काल छूट छोड़ने पर आपको कितना नुकसान हो रहा है।
- तीसरा, प्रसंस्करण शुल्क और उस पर लगने वाली कर कितने हैं।
- चौथा, समय से पहले किस्त बंद करने पर कोई शुल्क लगेगा या नहीं।
- पांचवां, देर से भुगतान की स्थिति में कितना अतिरिक्त खर्च हो सकता है।

‘नो-कॉस्ट’ नहीं, कुल लागत देखें

नो-कॉस्ट ईएमआई खराब विकल्प नहीं है, लेकिन इसे तभी चुनना समझदारी है जब सामान की जरूरत हो, कुल लागत स्पष्ट हो और किस्त आपको आर्थिक क्षमता के भीतर हो। आसान किस्त देखकर नहीं, पूरी कीमत देखकर फैसला करें।

त्योहारी ऑफरों में ‘नो-कॉस्ट ईएमआई’ देखकर न बहकें, वरना जेब होगी खाली

त्योहारों पर आसान किस्त और छूट के प्रस्ताव बढ़ेंगे

बिजनेस डेस्क

त्योहारों का मौसम शुरू होते ही बाजार और ऑनलाइन खरीदारी में सबसे बड़ी गलती यही होती है कि ग्राहक जरूरत से ज्यादा खरीदारी कर लेता है। इतनी बड़ी छूट दोबारा नहीं मिलेगी या इतनी कम किस्त में सामान मिल रहा है। जैसी सोच खरीदारी का फैसला प्रभावित कर सकती है। इससे बचने का आसान तरीका है कि बाजार जाने या ऑनलाइन खरीदारी शुरू करने से पहले जरूरी सामान की सूची बना लें। जो सामान पहले से खरीदने की योजना में नहीं था, उसे केवल छूट या किस्त के प्रस्ताव के कारण खरीदने से बचें। याद रखें, जिस सामान की जरूरत नहीं है, उस पर मिलने वाली बड़ी छूट भी वास्तव में बचत नहीं है। उल्टा, उसकी मासिक किस्त आपके आने वाले महीनों के बजट को प्रभावित कर सकती है।



पहले तय करें, सामान की जरूरत है या नहीं

त्योहारों में सबसे बड़ी गलती यही होती है कि ग्राहक जरूरत से ज्यादा खरीदारी कर लेता है। इतनी बड़ी छूट दोबारा नहीं मिलेगी या इतनी कम किस्त में सामान मिल रहा है। जैसी सोच खरीदारी का फैसला प्रभावित कर सकती है। इससे बचने का आसान तरीका है कि बाजार जाने या ऑनलाइन खरीदारी शुरू करने से पहले जरूरी सामान की सूची बना लें। जो सामान पहले से खरीदने की योजना में नहीं था, उसे केवल छूट या किस्त के प्रस्ताव के कारण खरीदने से बचें। याद रखें, जिस सामान की जरूरत नहीं है, उस पर मिलने वाली बड़ी छूट भी वास्तव में बचत नहीं है। उल्टा, उसकी मासिक किस्त आपके आने वाले महीनों के बजट को प्रभावित कर सकती है।

यूएस ओपन

सबालैंका के फॉर्म पर सवाल खिताबी हैट्रिक पर नजर



एजेसी ►► न्यूयॉर्क

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालैंका हाल की खराब फॉर्म के बावजूद रविवार से शुरू होने वाले यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताबी हैट्रिक पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सबालैंका पिछले कुछ टूर्नामेंटों में चौथे दौर से आगे भी नहीं बढ़ पाई हैं, जिसे देखते हुए वह सेरेना विलियम्स (2012-14) के बाद लगातार तीन यूएस ओपन खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनने के लिए शायद ही तैयार दिखती हैं। लेकिन सबालैंका चिंतित नहीं लग रही हैं। वह तो विद्रोही लग रही हैं। जो लोग यह जानना चाहते थे कि उनके खेल में क्या खराबी है, उनके जवाब में उन्होंने कहा, 'शायद लोगों में ही कुछ खराबी है।'

सबालैंका लगातार तीसरा खिताब

सबालैंका लगातार तीसरा खिताब जीतने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यहां 2024 में फाइनल में जैसिका पेगुला को हराकर पहली बार खिताब जीता था। पिछले साल उन्होंने अमांडा अनिसिमोवा को हराकर अपने खिताब का बचाव किया था।

सबालैंका ने की थी साल की अच्छी शुरुआत

सबालैंका ने साल की अच्छी शुरुआत की। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में एलेना रायबाकिना से हारने के बाद उन्होंने इंडियन वेल्स और मियामी में लगातार दो हार्ड कोर्ट खिताब जीते। विंबलडन में चौथे दौर में नाओमी ओसाका से हारने के बावजूद माना जा रहा था कि वह जल्द ही अपनी पुरानी फॉर्म में लौट आएंगी, क्योंकि हार्ड कोर्ट उनकी पसंदीदा सतह रही है। लेकिन सबालैंका टोरंटो में चौथे दौर में एकतेरिना एलेक्जेंड्रोवा से हार गई और सिनसिनाटी में सारा बेजलेक ने उन्हें दोनों सेटों में बढ़त का फायदा नहीं उठाते दिया।

मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया : एरिना

सबालैंका ने कहा, 'वह दौर मेरे लिए अच्छा नहीं था। मैं अपना बचाव नहीं करना चाहती, लेकिन जाहिर है कि मैं उस दौर के बारे में बात नहीं करना चाहती। मैं कई चीजों से जुड़ा रही थी।' उन्होंने कहा, 'मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया। ये कई सबक मुझे और भी ज्यादा मजबूत बनाएंगे और मैं और कड़ी मेहनत करूंगी। वापसी करना बस समय की बात है।'

अल्काराज की 4 महीने बाद वापसी, पुराने फॉर्म में लौटने की उम्मीद

एजेसी ►► नई दिल्ली

अपनी दाहिनी कलाई में लगी चोट के कारण चार महीने से अधिक समय तक खेल से बाहर रहने वाले कार्लोस अल्काराज को उम्मीद है कि वह अपनी पुरानी फॉर्म में लौट कर रविवार से शुरू होने वाले यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने में सफल रहेंगे। मौजूदा चैंपियन अल्काराज चोटिल होने के कारण फ्रेंच ओपन और विंबलडन में नहीं खेल पाए थे लेकिन उन्हें लगता है कि वह वर्ष का अंतिम ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट खेलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'आप कार्लिंटोस को उसी तरह खेलते हुए देखेंगे जैसे वह हमेशा खेलता आया है।'

मुझे प्रतिस्पर्धा की जरूरत : अल्काराज

अल्काराज ने कहा, 'मुझे प्रतिस्पर्धा की जरूरत है। मेरा और मेरी टीम का मानना है कि मैं पूरी तरह से तैयार हूं। वापसी का फैसला करना आसान नहीं था। मैंने इसके लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास किया है।'



दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल : आज मौजूदा चैंपियन मध्य क्षेत्र का सामना पूर्वी क्षेत्र से

फाइनल की जंग शुरू, भिड़ेंगी चार टीमों, दो का टूटेगा सपना

►► बैंगलुरु। मौजूदा चैंपियन मध्य क्षेत्र रविवार से शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में आत्मविश्वास से भरी पूर्वी क्षेत्र का सामना करेगा जबकि उत्तर क्षेत्र और पिछले साल की उपविजेता दक्षिण क्षेत्र के बीच भी रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है। उत्तर और पूर्व क्षेत्र की टीम क्वार्टर फाइनल में जीत हासिल करके आगे बढ़ी हैं जबकि मध्य और दक्षिणी क्षेत्र को सेमीफाइनल में सीधे प्रवेश मिला था। पूर्वी क्षेत्र ने क्वार्टर फाइनल में उत्तर पूर्वी क्षेत्र को करारी शिकस्त दी थी जबकि उत्तर क्षेत्र ने पश्चिम क्षेत्र के खिलाफ बाएं हाथ के स्पिनर आबिद मुश्ताक की शानदार गेंदबाजी की बदौलत रोमांचक जीत हासिल की थी।



पाटीदार और तिलक को करनी होगी शानदार शुरुआत

लगातार दूसरे साल रजत पाटीदार की कप्तानी में खेल रहे मध्य क्षेत्र और तिलक वर्मा की अगुवाई वाली दक्षिण क्षेत्र की टूर्नामेंट में एक भी मैच न खेलने के बावजूद शानदार शुरुआत करनी होगी। मध्य क्षेत्र में पिछले साल ट्रॉफी जीतने वाली टीम के प्रमुख खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखा है। पाटीदार आईपीएल और एमपी टी20 लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद टूर्नामेंट में उतर रहे हैं, जबकि उप-कप्तान रिकू सिंह के रूप में उसके पास मध्य क्रम में एक और मजबूत खिलाड़ी है।

ईशान, सूर्यवंशी और ईश्वरन से बड़ी पारी की उम्मीद

क्वार्टरफाइनल में पूर्व क्षेत्र ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर पूर्वी क्षेत्र को पारी और 210 रन से करारी शिकस्त दी थी। इस मैच में बंगाल के सुदीप घरमाी और शाहबाज अहमद ने शतक जड़े थे। कप्तान ईशान किशन, युवा सनसनी सूर्यवंशी और अनुभवी अगिमव्यु ईश्वरन भी इस मैच में बड़ी पारियां खेलने की कोशिश करेंगे। शाहबाज ने चार विकेट लेकर गेंदबाजी में भी अहम योगदान दिया था। उनके अलावा अनुकुल रॉय ने दूसरी पारी में पांच विकेट लिए और अजिजीत सरकार ने मैच में छह विकेट हासिल किए।

नार्थ और साउथ जोन का पलड़ा बराबर

उत्तर क्षेत्र और दक्षिण क्षेत्र के बीच होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले में दोनों टीम का पलड़ा लगभग समान नजर आता है। दक्षिण क्षेत्र के पास कप्तान तिलक वर्मा, रिकी भुई, नारायण जगदीशजन और करुण नाथर जैसे अनुभवी बल्लेबाज हैं। दक्षिण क्षेत्र की गेंदबाजी की बात करें तो श्रेयस गोपाल और बाएं हाथ के स्पिनर तनाय तेलंगराजन गेंदबाजी आक्रमण में विकिधता लाते हैं। तेज गेंदबाजी विभाग में उसका दारोमदार विद्युत कवैरप्पा पर रहेगा।

वेस्ट जोन में टीम चयन को लेकर सवाल

उत्तर क्षेत्र की टीम पश्चिम क्षेत्र को 52 रन से हराकर इस मुकाबले में उतरेगी। उसकी टीम के चयन को लेकर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि रणजी ट्रॉफी में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी सनत सांगवान पर यश दुल को प्राथमिकता दी गई है। दुल पश्चिम क्षेत्र के खिलाफ संघर्ष करते हुए नजर आए तथा केवल नौ रन और शून्य पर आउट हो गए, जबकि सांगवान बैच पर बैठे मैच देखते रहे। सांगवान को इस मैच में अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है।

गेंदबाजी आक्रमण में फेरबदल कर सकता नार्थ जोन

उत्तर क्षेत्र अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण में भी फेरबदल कर सकता है, जिसमें सुनील कुमार की जगह भारतीय तेज गेंदबाज गुरुनूर बराड़ को मौका दिया जा सकता है। गुरुनूर ने श्रीलंका ए के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे में भी उनका प्रदर्शन उत्साहजनक रहा था। बल्लेबाजी ने उत्तर क्षेत्र की तरफ से उप कप्तान आयुष बडोनी की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने पिछले मैच की दोनों पारियों में अर्धशतक बनाए थे।



एजेसी ►► नई दिल्ली

वैभव सूर्यवंशी भले ही दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में अपनी टीम की एकमात्र पारी में बल्लेबाजी में कुछ खास योगदान नहीं दे पाए लेकिन उन्होंने गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए दो अहम विकेट चटकवाए, जिसकी मदद से पूर्वी क्षेत्र ने पूर्वोत्तर क्षेत्र को पारी और 210 रन से करारी शिकस्त दी। सूर्यवंशी ने कहा, 'अगर आप किसी बल्लेबाज से पूछेंगे तो उसे गेंदबाजी करना भी पसंद होता है और गेंदबाज को बल्लेबाजी करना पसंद होता है। दोनों को एक-दूसरे की भूमिका निभाना काफी पसंद है।' सूर्यवंशी ने कहा, 'विपक्षी टीम के विकेट नहीं गिर रहे थे और मुझे दो-तीन ओवर गेंदबाजी करने के लिए कहा गया। इशान भैया को लगा कि मुझे गेंदबाजी देना थोड़ा जोखिम भरा है, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि मैं विकेट लेने वाला गेंदबाज हूं।' सूर्यवंशी ने किशन लिंगदोह (25) और इस्लीवती लेमटूर (04) को आउट किया।

वैभव ने कहा कि जरूरत के समय विकेट लेने से ज्यादा खुशी एक बल्लेबाज के लिए और कुछ नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, 'मेरे दिमाग में सिर्फ यही था कि अगर मैं यहां पांच विकेट भी ले लूं, तो मुझे केवल तीन ओवर ही गेंदबाजी करनी है। इसलिए मैंने अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करने, एक ही जगह पर गेंद डालने और अपना स्पेल पूरा करने की कोशिश की।' वैभव ने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लगा क्योंकि बल्लेबाजी में मेरे लिए चीजें अच्छी नहीं रहीं। ऐसे में गेंदबाजी से योगदान देना वास्तव में अच्छा लगा।' जब कोई बल्लेबाज विकेट लेता है तो उससे ज्यादा खुशी की बात और कुछ नहीं होती।'

खबर संक्षेप

बुडापेस्ट ओपन स्क्वाश के चैंपियन बने सैथिलकुमार

बुडापेस्ट। भारत के वेलावन सैथिलकुमार ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फाइनल में बालाज फरकास को हराकर हंगरी की राजधानी में खेले गए बुडापेस्ट ओपन स्क्वाश के रूप में अपना पहला पीएसए कॉपर-लेवल का खिताब जीता। विश्व रैंकिंग में 54वें स्थान पर काबिज और आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने 43,500 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट के फाइनल में स्थानीय खिलाड़ी फरकास को 11-4, 11-2, 11-3 से हराकर अपना 11वां पीएसए टूर खिताब जीता।

कट में जगह बनाने वाली इकलौती भारतीय प्रणवी किल्डारे। युवा गोल्फर प्रणवी उर्स प्रतिष्ठित केपीएमजी विमेंस अवॉरिश ओपन के दूसरे दौर में दो अंडर 70 का कार्ड खेल संयुक्त आठवें पायदान पर पहुंच गई। प्रणवी कट में प्रवेश करने वाली इकलौती भारतीय है। वह तालिका में शीर्ष पर काबिज दक्षिण अफ्रीका की कैसांद्र एलेक्जेंडर से 10 शांट पीछे है। प्रणवी ने तीन बडीं के मुकाबले तीन बोगी किए लेकिन 10वें होल में इंगल लगाने के कारण वह दो अंडर का कार्ड खेलने में सफल रही।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

एशियन गेम्स : भारत की पदक की उम्मीद को झटका, नीरज बाहर

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने शनिवार को घोषणा की कि अभ्यास के दौरान उनके टखने के लिगामेंट में चोट लग गई है, जिसके कारण वह आगामी एशियाई खेलों में नहीं खेल पाएंगे। चोपड़ा ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि लुसाने डायमंड लीग में सत्र का सर्वश्रेष्ठ श्रो करने के कुछ ही समय बाद उन्हें चोट लगी। चोपड़ा ने कहा, 'कड़ी मेहनत के बाद मुझे लग रहा था कि मैं आखिरकार अच्छी लय हासिल कर रहा हूं, जिसकी मुझे तलाश थी और

कि मैं इस सत्र में आगे नहीं खेल पाऊंगा। यह निराशाजनक है, खासकर इसलिए क्योंकि मुझे लग रहा था कि मैं अपनी लय पाने के करीब था। लेकिन जैसा कि कहते हैं, उतार-चढ़ाव तो जीवन का हिस्सा होते हैं।'



लुसाने में मैंने सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।' उन्होंने कहा, 'दुर्भाग्य से कुछ समय बाद ही अभ्यास के दौरान मेरे टखने के लिगामेंट में चोट लग गई। अपने डॉक्टर और टीम से सलाह मशविरा करने के बाद हमने फैसला किया है

ब्रिटिश मास्टर्स : शुभंकर ने किया कट में प्रवेश

बेलफ्राई। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा चुनौतीपूर्ण मौसम और लगातार बारिश के बीच हल्कवार्ना ब्रिटिश मास्टर्स के शुरुआती दो दौर में 69 और 71 का कार्ड खेल कर आसानी से कट में प्रवेश करने में सफल रहे। शुभंकर का कुल स्कोर चार अंडर है और वह संयुक्त 13वें स्थान पर है। शुभंकर ने दूसरे दौर में दो बोगी के मुकाबले पांच बडीं लगाईं। प्रतियोगिता में भाग ले रहे अन्य भारतीय खिलाड़ी युवराज संघू के लिए यह सप्ताह निराशाजनक रहा। उन्होंने 71 और 77 के कार्ड खेले और कट में प्रवेश करने से चूक गए।



आज से महिला टी-20 एशिया कप, तीन बार जीता खिताब

भारत का रण शुरू, थाईलैंड के खिलाफ दबदबे की वापसी

एजेसी ►► दुबई

ऐसे समय में जबकि टीम की फॉर्म और निरंतरता पर सवाल उठ रहे हैं तब हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम रविवार को महिला टी20 एशिया कप ग्रुप ए के अपने पहले मैच में थाईलैंड के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके अपने अभियान की शानदार शुरुआत करना चाहेगी।

पिछले एक दशक में महिला टी20 एशिया कप में भारत सबसे दबदबा बनाने वाली टीम रही है। उसने 2016-17 से इस टूर्नामेंट के टी20 प्रारूप के पांच संस्करणों में तीन बार खिताब जीता है लेकिन हाल में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है।



चोट के कारण जेमिमा बाहर

एशिया कप और एशियाई खेलों के लिए भरोसेमंद बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स के बाहर होने के बाद भारत ने अपनी टीम में प्रतिका रावल को शामिल किया है, लेकिन टीम को मध्य क्रम में जेमिमा की कमी खलेगी। भारत के पास स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के रूप में मजबूत सलामी जोड़ी है लेकिन तीसरे नंबर और उसके बाद के बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती लय को बनाए रखना और स्कोरबोर्ड को गति प्रदान करना होगा।

खराब फील्डिंग चिंता को विषय

पिछली बार जब भारत इस प्रारूप में खेला था तब खराब फील्डिंग बड़ी चिंता का विषय था। भारतीय खिलाड़ियों ने कई कैच छोड़े, जो उसकी हार का प्रमुख कारण भी रहा। भारत को अगर एशिया कप और एशियाई खेलों में अपना दबदबा बरकरार रखना है तो उसे अपनी फील्डिंग में जल्द से जल्द सुधार करना होगा।

प्रीमियर लीग : बायर्न म्यूनिख और मैनचेस्टर सिटी की धमाकेदार जीत

एजेसी ►► म्यूनिख

बायर्न म्यूनिख और मैनचेस्टर सिटी ने अपनी राष्ट्रीय फुटबाल लीग में बड़ी जीत हासिल करके अपने अभियान की धमाकेदार शुरुआत की। जर्मनी की बुंडेसलीगा में मौजूदा चैंपियन बायर्न म्यूनिख ने लीग में हमेशा की तरह दबदबा बनाए रखते हुए घरेलू मैदान पर स्टेटगार्ट के खिलाफ 5-1 से जीत हासिल की। बायर्न म्यूनिख बुंडेसलीगा में पिछले 15 वर्षों से सत्र का अपना पहला मैच नहीं हारा है। इंग्लैंड में प्रीमियर लीग में मैनचेस्टर सिटी ने क्रिस्टल पैलेस को 4-1 से हराया।

हालैंड और चेर्की ने दागे दो-दो गोल

मैच में एर्लिंग हालैंड और रायन चेर्की ने दो-दो गोल किए। फ्रांस की लीगा के मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को लीगों के खिलाफ 2-2 से ड्रा खेलने के लिए स्टॉपेज टाइम में दो गोल की जरूरत पड़ी। फ्रांसीसी और यूरोपीय चैंपियन पीएसजी ने इससे पहले पिछले सप्ताह रेनेस के खिलाफ भी पिछले के बाद वापसी करते हुए 2-2 से ड्रा खेला था। इटली की लीग सीरी ए में एसी मिलान ने वेनेजिया को 2-0 से पराजित किया। उधर स्पेन में ला लीगा में अलावेस और रेंसिंग सैंटेंडर ने क्रमशः विलारियल और एल्वी पर एक-एक गोल से जीत हासिल की।

महिला जूनियर एशिया कप हॉकी भारत का पहला मुकाबला कोरिया से



एजेसी ►► नई दिल्ली

मिडफील्डर खैदेम शिलेमा चानू की अगुवाई वाली भारतीय महिला हॉकी टीम 4 से 13 सितंबर तक चीन के मोकी में होने वाले एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप में दक्षिण कोरिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। नवनिर्वाचित कोच टिम व्हाइट के नेतृत्व में 18 सदस्यीय टीम ने इसके लिए अच्छी तैयारी की है।

इसके तहत भारतीय टीम ने इस साल ब्रिटेन का दौरा भी किया था। भारत को इस प्रतियोगिता के लिए मेजबान चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और मलेशिया के साथ एलीट पूल में रखा गया है।



नेपाल बाढ़ अब तक 626 लोगों की मौत, 2400 से ज्यादा लापता

त्रासदी राहत-बचाव अभियान जारी, भारतीय मदद को सराहा

एजेसी ▶▶ काठमांडू

नेपाल बाढ़ त्रासदी में मरने वालों का आंकड़ा 616 पहुंच गया है। वहीं, लापता लोगों का आंकड़ा भी 2000 से ज्यादा हो गया है। नेपाल के विदेश मंत्री शिसिर खनाल ने कहा कि देश की तत्काल प्राथमिकता लापता लोगों का पता लगाना और उन्हें तत्काल राहत प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि 187 विदेशी नागरिकों सहित 4,451 लोगों को बचाया जा चुका है।

फिर से बाढ़ आने की संभावनाओं और चिंताओं को देखते हुए खनाल ने कहा कि जोखिम पर नजर रखी जा रही है और क्षेत्र 'उच्च सतर्कता' पर हैं। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचने का एकमात्र तरीका हेलीकॉप्टर है। कुछ भूभाग 'दलदली भूमि' में बदल गया है, जिसका मतलब है कि हेलिकॉप्टर वहां उतर नहीं सकते।



शिसिर खनाल

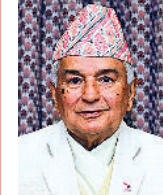
नेपाल के विदेश मंत्री शिसिर खनाल ने कहा कि देश की तत्काल प्राथमिकता लापता लोगों का पता लगाना और उन्हें तत्काल राहत प्रदान करना है। फिर से बाढ़ आने की संभावनाओं और चिंताओं को देखते हुए जोखिम पर नजर रखी जा रही है और क्षेत्र 'उच्च सतर्कता' पर हैं

▶▶ अज्ञात शवों की पहचान के लिए डीएनए सुरक्षित रख रहे

▶▶ भारत सरकार और पीएम नरेंद्र मोदी बेहद उदार रहे हैं

नेपाल के राष्ट्रपति ने मदद के लिए जताया आभार

नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने हाल की आपदा के दौरान भारत की मदद और एकजुटता के लिए राष्ट्रपति द्वीपदी मुर्मू और भारत सरकार का आभार जताया है। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने कहा कि नेपाल सरकार



रामचंद्र पौडेल

और जनता की ओर से वह राष्ट्रपति मुर्मू की चिंता और भारत की ओर से दी गई उदार सहायता के लिए गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। पौडेल ने 26 अगस्त 2026 की आपदा में भारतीय नागरिकों की मौत पर भी दुःख जताया। उन्होंने भारत सरकार और भारतीय जनता के प्रति गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करते हुए कहा कि इस त्रासदी में जान गंवाने वाले भारतीयों का दुःख नेपाल भी महसूस करता है।

पुनर्निर्माण में करीब 5 अरब डॉलर लगेंगे

नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले ने कहा कि विनाशकारी बाढ़ के बाद देश के पुनर्निर्माण के लिए 4 अरब डॉलर से 5 अरब डॉलर के बीच की राशि की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक अनुमान है। नुकसान और क्षति का आकलन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नेपाल इस संकट से कई वर्षों में निपट रहा है। तत्काल प्राथमिकता उन लोगों को बचाने की है जिन्हें बचाया जा सकता है। इनमें वे लोग भी शामिल हैं जो जलविद्युत परियोजनाओं में फंसे या वहां से निकल नहीं पा रहे हैं। वाग्ले ने कहा कि भारत सरकार और पीएम नरेंद्र मोदी बेहद उदार रहे हैं। जब 2015 में भूकंप आया था, तब भी सरकार में था। उस समय भी मदद की थी।



स्वर्णिम वाग्ले



229 शवों की नहीं हो सकी पहचान

नेपाल के दक्षिणी मध्य तराई क्षेत्र के वित्तन जिले में स्वास्थ्य संस्थानों और नदी तटों से एकत्र किए गए शव/ अवशेष सड़ने की अवस्था में हैं अब उनकी पहचान करना संभव नहीं है। शेष 229 शवों को हिरासत केंद्रों और स्वास्थ्य संस्थानों में रखा जा रहा है, और डीएनए के नमूने अभी भी एकत्र किए जा रहे हैं।

डब्ल्यूएचओ ने डेढ़ लाख अमेरिकी डॉलर की धनराशि जारी की

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने स्वास्थ्य देशों के नेटवर्क अद्यानोम गेबेर्येस ने बताया कि बाढ़ को लेकर अपनी मदद का दायरा बढ़ा रहा है, जिसके तहत तत्काल 150,000 अमेरिकी डॉलर की धनराशि जारी की गई है।

बाढ़ में बहकर आया बैंक लॉकर, नेपाल में लोगों ने निकाले 92.68 लाख, 29 गिरफ्तार

नेपाल में भीषण बाढ़ के बीच एक बैंक का लॉकर पानी में बहकर धादिंग पहुंच गया। लॉकर लोगों के हाथ लगा तो उन्होंने उसे तोड़ दिया। इसके अंदर रखी नकदी निकालने के दौरान 29 लोग पकड़े गए। पुलिस ने मौके से 92,68,505 रुपए बरामद किए हैं। बाढ़ की शुरुआत रासुवा क्षेत्रों में हुई। त्रिशूली नदी का बहाव तेज हो गया। इसी दौरान एक बैंक का लॉकर पानी के तेज बहाव में बह गया। लॉकर बहता हुआ धादिंग इलाके तक पहुंच गया। इसी दौरान सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस की संयुक्त गश्ती टीम वहां पहुंच गई। संयुक्त टीम ने मौके पर कार्रवाई की और 29 संदिग्धों को पकड़ लिया। पुलिस ने उनके पास से 9,268,505 नेपाली रुपए बरामद किए। भारतीय संस्था पद्धति में यह रकम 92,68,505 रुपए, यानी करीब 92.68 लाख नेपाली रुपए बैठती है।



19 अप्रैल 2024

27 अगस्त 2026

सैटेलाइट तस्वीरों में दिखा मंजर

हिमालय में आई बाढ़ ने नेपाल-चीन बॉर्डर कॉसिंग का मिटा दिया नामोनिशान

नई सैटेलाइट तस्वीरों में नेपाल-चीन बॉर्डर पर हिमालय में अचानक आई बाढ़ से हुई तबाही का मंजर देखने को मिला है। इन तस्वीरों से पता चलता है कि 26 अगस्त को चट्टान, बर्फ, कीचड़ और पानी के तेज बहाव के कारण रसुनागढ़ी क्रॉसिंग लगभग खत्म हो गई। कर्माशंयल सैटेलाइट कंपनी वैटर ने हाई-रिजॉल्यूशन वाली पहले और बाद की तस्वीरें जारी की हैं। इनमें 19 अप्रैल, 2024 की तस्वीर की तुलना की जाए तो एक दिन बाद, 27 अगस्त, 2026 की तस्वीर से की गई है। पहली तस्वीर में नदी के किनारे एक बड़ी कई मंजिला बॉर्डर सुविधा, सड़कें, पक्के इलाके और अन्य बुनियादी ढांचे दिखाई देते हैं।

बाढ़ के बाद घर, पुल बह गए, दब गए

बाढ़ के बाद की तस्वीर में, वह ज्यादातर ढांचा चट्टान, कीचड़ और मलबे के नीचे दब गया है। प्रभावित इलाके की अन्य सैटेलाइट तस्वीरों में घर, पुल और सड़कों व बुनियादी ढांचे के हिस्से या तो बह गए हैं या दब गए हैं। बाढ़ के बाद की तस्वीरों में रसुनागढ़ी में मुख्य कई मंजिला इमारत और आस-पास की सुविधाएं दिखाई नहीं दे रही थीं।

खबर संक्षेप

नीति आयोग के उपाध्यक्ष का सियाचिन दौरा

नई दिल्ली। नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार लाहिड़ी ने अपनी टीम के साथ दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन का दौरा किया। उन्होंने सियाचिन बेस कैंप का दौरा करने के साथ ही उत्तरी ग्लेशियर का हवाई निरीक्षण भी किया। नीति आयोग ने पोस्ट में लिखा, 'सियाचिन : सीमाओं पर साहस का साक्षी।' डॉ. अशोक कुमार लाहिड़ी ने रॉकफ्राफ्ट ट्रेनिंग स्कूल का दौरा किया और सियाचिन वॉर मेमोरियल पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

रूस का यूक्रेन पर हमला, 27 की मौत

कीव। रूस ने एक बार फिर यूक्रेन पर बड़ा हमला किया है। इस हमले में यूक्रेन में 27 लोगों की मौत हुई है और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। यह हमला राजधानी कीव के पास बुचा जिले में हुआ। रूस के इस हमले में 50 के करीब घर तबाह हुए हैं। हमले से बड़े पैमाने पर आग भी लगी, जिसकी चपेट में आकर कई घर और रेस्तरां को नुकसान हुआ है। हाल ही में रूस ने यूक्रेन के एक शांति मॉल पर हमले कर 16 लोगों की जान ली थी।



रूस के इस हमले में 50 के करीब घर तबाह हुए हैं। हमले से बड़े पैमाने पर आग भी लगी, जिसकी चपेट में आकर कई घर और रेस्तरां को नुकसान हुआ है। हाल ही में रूस ने यूक्रेन के एक शांति मॉल पर हमले कर 16 लोगों की जान ली थी।

यूपी के बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए बोले रक्षा मंत्री

युवाओं को संवैधानिक तरीकों से अन्याय के खिलाफ सवाल उठाने का है अधिकार: राजनाथ

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के जंतर-मंतर पर बीते दिनों सीजेपी के नेतृत्व में हुए जेन-जेड के बेहद आक्रामक विरोध-प्रदर्शन के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने युवाओं को लेकर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। जिसमें उन्होंने उनसे आह्वान करते हुए कहा कि वो ज्ञान अर्जित करें, फिर संवैधानिक तरीकों से अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और लोकतांत्रिक तरीकों से बदलाव लाने की कोशिश करें। केंद्र की सरकार युवाओं के लिए लगातार बेहतर समाज के लिए समाधान तलाशने और नवाचारों के साथ प्रयोग कर उन्हें विकसित करने वाला वातावरण प्रदान करती रहेगी। यह जानकारी रक्षा मंत्री ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए दी है। रक्षा मंत्रालय ने आधिकारिक रूप से इस जानकारी को मीडिया के साथ साझा किया है। समारोह में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राज कुमार मित्तल व विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य, कर्मचारी मौजूद थे।



दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

टीम इंडिया का हिस्सा हैं युवा

उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार सृजनकर्ता, समस्या का समाधान ढूँढने वाला और सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला होना चाहिए। उसे 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी एकजुटता के साथ टीम इंडिया के एक अंग यानी हिस्से के रूप में काम करना चाहिए। किसी भी देश की उसकी आर्थिक ताकत समृद्ध बनाती है। वहीं, सांस्कृतिक आत्मविश्वास उसे महान बनाता है। ऐसे में मैं युवाओं से भारत की समृद्धता और विरासत पर गर्व करने की अपील करता हूँ।

राष्ट्र निर्माण में योगदान दें युवा

उन्होंने विश्वविद्यालयों को छात्रों के युवा दिमाग में न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व जैसे आदर्शों को आकार देने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। जिससे वह राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान दे सकें। साथ ही उनमें समग्र शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए सच्ची शिक्षा सोचने व समझने की क्षमता विकसित करनी चाहिए। व्यक्तियों को अपने ज्ञान का उपयोग समाज के

फायदे के लिए करना और उनमें मूल्यों, संवेदनशीलता का संचार करना जरूरी है। अंबेडकर के साथ रक्षा मंत्री ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद के दृष्टिकोण से प्रेरणा लेते हुए आग्रह किया कि वह केवल व्यक्तिगत सफलता के लिए ही प्रयास न करें। बल्कि रोजगार सृजनकर्ता, समस्या समाधानकर्ता और सकारात्मक परिवर्तन के उभरेकर बनकर देश के रूपांतरण में योगदान दें।

12 वर्षों में किए क्रान्तिकारी सुधार

रक्षा मंत्री ने कहा, अनुकूल परिस्थितियों में नहीं। बल्कि विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए सफलता प्राप्त होती है। जिसमें दृढ़ संकल्प, सहनशीलता और कड़ी मेहनत जैसी चुनौतियां अवसर में तब्दील हो जाती हैं। उन्होंने छात्रों से अनिश्चितता से न डरने और समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने, समर्पण के साथ काम करने, निरंतर आत्म सुधार के लिए प्रयास करने पर जोर दिया है। बीते दस वर्षों में पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने आत्मनिर्भर को बढ़ावा देने वाले कई कदम उठाए हैं। बीते 12 वर्षों में शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार इकोसिस्टम में काफी अहम प्रगति की है। जिसकी मदद से देश एक मुख्य अर्थव्यवस्था के अलावा एक ऐसे देश के रूप में उभरा है। जो अपनी समृद्धता, संस्कृति और क्षमता में विश्वास रखता है।

पूर्व सेना प्रमुख नरवणे का पाकिस्तान को दो टूक

‘ऑपरेशन सिंदूर’ भारत के सैन्य तौर-तरीकों में एक बहुत महत्वपूर्ण बदलाव था

एजेसी ▶▶ बड़ोदरा

पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान के प्रति भारत के सैन्य दृष्टिकोण में बढ़ा ब द ला व दिखाया। इस कार्रवाई में सिर्फ सीमा के पास मौजूद



पूर्व आर्मी चीफ जनरल एमएम नरवणे

आतंकी ठिकानों को निशाना नहीं बनाया गया, बल्कि पाकिस्तान के भीतर गहराई में मौजूद उन लोगों और ठिकानों पर भी कार्रवाई की गई, जिन्हें आतंकवादियों का समर्थन करने वाला माना गया। जनरल नरवणे ने कहा कि पहलागाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर जरूरी कार्रवाई थी। इससे पहले उरी और पुलवामा जैसे आतंकी हमलों के बाद भारत की सैन्य कार्रवाई मुख्य रूप से सीमा के नजदीक स्थित आतंकी ठिकानों तक सीमित रही थी।

आतंक के मददगार नहीं बचेंगे, हर गतिविधि पर भारत की पैनी नजर

आतंकियों के लिए कोई जगह सुरक्षित नहीं

पूर्व सेना प्रमुख ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें आतंकवादियों के खिलाफ उनके इलाके में जाकर कार्रवाई करने की बात कही गई थी। नरवणे के मुताबिक, ऑपरेशन सिंदूर भारत के सैन्य तौर-तरीकों में एक बहुत महत्वपूर्ण बदलाव था। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को समर्थन देने वालों के लिए अब कोई सुरक्षित जगह नहीं होने का संदेश दिया गया।

भारत में मुकाबले की पाक से कहीं अधिक क्षमता

जनरल नरवणे ने कहा कि पाकिस्तान की भारत से मुकाबला करने की क्षमता नहीं है। पाकिस्तान के सिर कीक क्षेत्र में बड़ी गतिविधियों और कथित 'ऑपरेशन अबाबील' को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां होती रहती हैं। भारतीय सशस्त्र बल हर गतिविधि पर नजर रखते हैं और जरूरत पड़ने पर उचित समय पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

चीन से जमीन पर सीमा स्पष्ट नहीं

भारत-चीन संबंधों पर जनरल नरवणे ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोमाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई बातचीत का संदर्भ दिया। उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के बीच सीमा विवाद के व्यापक संदर्भ में होने वाली विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता का 25वां दौर था। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच सीमा का वास्तविक निशान अचूक नक्शे और जमीन दोनों स्तरों पर स्पष्ट रूप से नहीं हुआ है। इसी कारण दोनों देशों के बीच समय-समय पर विवाद की स्थिति बनती है।